हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 228 बेमेतरा, रविवार 12 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग ने तटीय कर्नाटक के लिए येलो अलर्ट जारी किया

बेंगलुरु। मौसम विभाग (आईएमडी) ने कर्नाटक के कई हिस्सों में बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। तटीय जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने के आसार जताये गये हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, तटीय कर्नाटक में रुक-रुक कर बारिश के साथ बिजली गिरने की घटनायें हो सकती हैं, जबकि आंतरिक क्षेत्रों में दिनभर हल्की से मध्यम बारिश और बादल छाये रहने के आसार हैं। प्रशासन ने समुद्र में खराब स्थिति और मौसम में अचानक बदलाव को देखते हुए तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों और मछुआरों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, राज्य के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में मानसून पूर्व गरज-चमक होते रहने का अनुमान है।

आर्टेमिस II मिशन के अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की परिक्रमा कर पृथ्वी पर पहुंचे : नासा

वाशिंगटन। नासा ने कहा कि आर्टेमिस II मिशन के तहत चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौट आए हैं। आर्टेमिस II के चालक दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन (कमांडर), विक्टर ग्लोवर (पायलट), क्रिस्टीना कोच (मिशन विशेषज्ञ) और सीएसए के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन (मिशन विशेषज्ञ) शामिल थे और उन्होंने 10 दिनों के मिशन के बाद सैन डिएगो के तट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। नासा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- रीड, विक्टर, क्रिस्टीना और जेरेमी का घर वापसी पर स्वागत है! आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्री पूर्वी समयानुसार रात 8:07 बजे (भारतीय समयानुसार 11 अप्रैल को सुबह 5:37 बजे) लैंड किए, जिससे चंद्रमा के चारों ओर उनका ऐतिहासिक 10 दिवसीय मिशन समाप्त हो गया। अंतरिक्ष यान को एक अप्रैल की शाम को स्थानीय समयानुसार फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से लॉन्च किया गया था। नासा ने छह अप्रैल को बताया कि अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 4,06,000 किलोमीटर से अधिक दूर था।

विस्फोटक बल्लेबाजी कर सूर्यवंशी ने किया ऑरेंज कैप पर कब्जा

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोट बल्लेबाजी करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। शुक्रवार रात खेले गये इस मुकाबले में जितने शानदार सूर्यवंशी रहे हैं, उनके सहयोगी यशस्वी जायसवाल भी उतने ही बेहतरीन हैं।

'भय हटाओ, भरोसा लाओ, भाजपा को वोट दो' : कटवा रैली में बोले मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व बर्दवान जिले के कटवा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ और शरणार्थियों के अधिकारों के मुद्दों पर जोर दिया। उन्होंने रैली में नारा दिया, भय हटाओ, भरोसा लाओ, भाजपा को वोट दो, और कहा कि भाजपा की सरकार सुरक्षा और सम्मान दोनों सुनिश्चित करेगी। शरणार्थी समुदायों, विशेषकर मतुआ और नामशूद्र समाज का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उन्हें नागरिकता की गारंटी दी गई है और इस प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। उन्होंने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कहा कि घुसपैठियों को देश से बाहर निकाला जाएगा और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने इसे कल्याणकारी योजनाओं में लीकेज से जोड़ते हुए कहा कि फर्जी लाभार्थी असली हकदारों का हिस्सा खा रहे हैं। मोदी ने चुनाव को भय बनाम भरोसा की लड़ाई बताते हुए कहा कि उनकी गारंटी है कि निर्दयी शासन का डर खत्म होगा और भरोसे का राज स्थापित होगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोगों में डर का माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें छह गारंटियों के साथ विकास का स्पष्ट रोडमैप दिया गया है और पार्टी अपने वादों को पूरा करने का रिकॉर्ड रखती है। मोदी ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कहा कि भाजपा सरकार बनने पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे नेता हों या मंत्री। उन्होंने चुनाव बाद हिंसा की जांच के लिए आयोग गठित करने की भी घोषणा की। उन्होंने युवाओं के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं के लिए 3,000 रुपये मासिक सहायता और सुरक्षा की गारंटी, सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के लाभ और किसानों के लिए पीएम-किसान के तहत 9,000 रुपये वार्षिक सहायता तथा धान के लिए 3,100 रुपये एमएसपी देने का वादा भी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर आयुष्मान भारत सहित सभी योजनाएं लागू की जाएंगी।

पांडुलिपि संरक्षण में आगे आएँ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेशवासियों से आह्वान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी पांडुलिपियाँ हमारी सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान-वैभव का जीवंत प्रमाण हैं, जिन्हें सुरक्षित रखकर भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' इस दिशा में एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान देशभर में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके पास कोई प्राचीन पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ या ताड़पत्र सुरक्षित हैं, तो वे ज्ञानभारतम मोबाइल एप पर उनका विवरण दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों का यह छोटा-सा प्रयास हमारी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने में एक बड़ा योगदान सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध ज्ञान परंपरा को नई पहचान मिलेगी और यह धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँच सकेगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों को सहेजते हुए इस सांस्कृतिक अभियान में सहभागी बनें और ज्ञान की इस अमूल्य धरोहर को गर्व के साथ आगे बढ़ाएँ। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में उपलब्ध पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित एवं डिजिटल माध्यम से भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना है।

नयी बुलेटप्रूफ स्कार्पियो

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के काफिले में नयी गाड़ियों को शामिल किया गया, जिससे प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया। अब तक काफिले में उपयोग हो रही पुरानी गाड़ियों की जगह नयी बुलेटप्रूफ स्कार्पियो को शामिल किया गया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अब तक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में खरीदी गयी टोयोटा फार्च्यूनर का उपयोग कर रहे थे। हाल ही में काफिले में कुल छह नयी स्कार्पियो गाड़ियों को जोड़ा गया है।

ईरान ने अमेरिका के साथ समझौते के लिए रखी चार शर्तें 'इज़राइल फर्स्ट' दृष्टिकोण पर दी विफलता की चेतावनी

तेहरान। ईरान ने 'इस्लामाबाद वार्ता' से पहले अमेरिका के साथ किसी भी समझौते तक पहुँचने के लिए चार प्रमुख शर्तें रखी हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार इन शर्तों में होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता, युद्ध से हुए नुकसान का पूरा मुआवजा, जब्त की गई संपत्ति की बिना शर्त रिहाई और एक निरंतर क्षेत्रीय संघर्ष विराम शामिल है। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रज़ा आरिफ ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी वार्ताकार 'अमेरिका फर्स्ट' का रुख अपनाते हैं, तो समझौता संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वार्ता में 'इज़राइल फर्स्ट' के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई, तो बातचीत विफल हो जाएगी। आरिफ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'अमेरिका फर्स्ट' के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत से दुनिया और दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद समझौता होने की संभावना है, लेकिन इज़राइल के हितों को आगे रखने पर कोई सौदा नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी स्थिति में ईरान अपना बचाव और भी मजबूती से जारी रखेगा, जिसकी भारी कीमत दुनिया को चुकानी पड़ेगी। अमेरिका और ईरान के बीच यह महत्वपूर्ण 'इस्लामाबाद वार्ता' शनिवार को शुरू हुई। इस वार्ता का उद्देश्य उस नाजुक दो सप्ताह के संघर्ष विराम को स्थायी बनाना है, जिसने हाल ही में ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच 40 दिनों से चल रहे विनाशकारी युद्ध को रोका है। इस युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया था। वार्ता शुरू होने से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर शामिल हैं, जबकि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री इशाक डार और गृह मंत्री मोहसिन नकवी कर रहे हैं। शरीफ ने दोनों पक्षों की बातचीत की इच्छा का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि यह संवाद स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी गर्मी, कई इलाकों में पारा 42 डिग्री के पार जाने के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम अब तेजी से गर्म होने की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल शुष्क मौसम बना रहेगा, लेकिन आने वाले कुछ दिनों में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। विशेष रूप से मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिलेगा और दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में गर्मी अपने चरम के करीब पहुंच सकती है। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों को लू जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण जनजीवन पर भी असर पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसका मौसम पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। दिन के समय सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो कि अपेक्षाकृत ठंडा रहा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि वर्तमान में एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका मध्य ओडिशा से दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना, रायलसीमा होते हुए तमिलनाडु के आंतरिक हिस्सों से गुजरकर मन्नार की खाड़ी तक फैली हुई है। यह मौसम प्रणाली क्षेत्र में तापमान और आर्द्रता को प्रभावित कर रही है, हालांकि फिलहाल इससे किसी बड़े बदलाव या बारिश की उम्मीद नहीं है।राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां आज आसमान साफ रहने और मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। दिन का तापमान लगभग 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि रात में तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

महात्मा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसदगण, पूर्व सांसदगण, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा ज्योतिराव फुले 19वीं सदी के भारत के प्रमुख सामाजिक सुधारकों में से एक थे। उन्होंने अपना जीवन सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को समाप्त करने के लिए समर्पित किया और गरीबों, किसानों तथा समाज के अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की जिसका उद्देश्य शोषण को रोकना और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से पीड़ितों को मुक्ति दिलाना था। वे उन शुरुआती विचारकों में भी थे जिन्होंने कृषि के महत्व, किसानों के कल्याण और कृषकों के लिए वैज्ञानिक शिक्षा पर बल दिया। महात्मा फुले 1876 से 1882 तक पुणे नगर पालिका के सदस्य रहे और 1888 में गरीबों एवं वंचितों की मुक्ति में उनके योगदान के लिए उन्हें 'महात्मा' तथा 'भारत के बुकर टी. वॉशिंगटन' की उपाधियों से सम्मानित किया गया। संसद भवन परिसर में स्थापित महात्मा फुले की 12 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा, जिसका निर्माण राम वी. सुतार द्वारा किया गया था और जिसका अनावरण तीन दिसंबर 2003 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था।

कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता आपस में ही लड़ रहे हैं : उप मुख्यमंत्री साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर में कांग्रेस के वार्ड अध्यक्षों की सूची निरस्त किये जाने के मुद्दे पर तंज कसते हुए कहा है कि आपस में लड़ने से ही यह पार्टी समाप्त हो रही है। साव ने शनिवार को महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी कांग्रेस के बयान को लेकर निशाना साधा और कहा, हर एक मामले में कांग्रेस का घिसापिटा मामला है, देश में कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं, 75 साल महिलाओं को उनके वाजिब अधिकार से वंचित रखा, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनका अधिकार मिलने जा रहा है, देश की जनता सशक्त हो, ये कांग्रेस कभी चाहती ही नहीं है।

कार्रवाई स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धन-शोधन जांच का हिस्सा

ईडी ने बंगाल के पूर्व मंत्री के घर मारा छापा भर्ती मामले में फिर से पूछताछ की संभावना

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व नेता पार्थ चटर्जी के कोलकाता स्थित नकतला आवास पर शनिवार को छापेमारी की। यह कार्रवाई स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े धन-शोधन जांच का हिस्सा है।

केंद्रीय एजेंसी आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस मामले के संबंध में चटर्जी से फिर से पूछताछ कर सकती है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब जमानत पर रिहा होने के बाद उन्हें बार-बार समन जारी किये गये थे। चटर्जी हालांकि हर बार स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पेश होने में विफल रहे। उन्होंने पहले ईडी को सूचित किया था कि उनसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए या उनके आवास पर भी पूछताछ की जा सकती है, जिसके कारण यह कार्रवाई की गयी। इसी क्रम में ईडी की एक अन्य टीम ने न्यू टाउन स्थित प्रसन्ना रॉय के कार्यालय का भी दौरा किया। रॉय को भर्ती घोटाले में बिचौलिया माना जाता है और उन्हें चटर्जी का करीबी बताया जाता है। रॉय को भी इस मामले के संबंध में पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। चटर्जी को शुरू में इसी भर्ती मामले में उनके नकतला स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया था। तब से ईडी ने कई आरोप पत्र दाखिल किये हैं, जिनमें चटर्जी और रॉय दोनों के नाम शामिल हैं। पूर्व मंत्री इस संबंध में तीन साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। इस जांच ने तब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं, जब चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी से जुड़ी संपत्तियों से 50 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गयी थी। घोटाले में नाम सामने आने के बाद टीएमसी ने उनसे दूरी बना ली थी और अंततः उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटा दिया था। हाल के दिनों में ईडी ने कोलकाता में अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। नगर निगम भर्ती में अनियमितताओं के संबंध में राज्य के मंत्री सुजीत बोस और रथिन घोष को कई बार समन जारी किये गये हैं, हालांकि वे अभी तक पेश नहीं हुए हैं। एजेंसी ने जमीन से जुड़े मामलों के सिलसिले में कई कारोबारियों के घरों पर भी छापे मारे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह सख्त कार्रवाई चुनावों से पहले अवैध वित्तीय लेन-देन पर रोक लगाने की कोशिशों का हिस्सा है और इस बार फिर चटर्जी जांच के दायरे में हैं।

लेबनान में इज़रायली हमलों से तीन दिन में 357 लोगों की मौत

बेरूत। लेबनान में पिछले तीन दिनों के दौरान इज़रायली हमलों में 357 लोगों की मौत हो गयी है, जबकि 1,223 अन्य घायल हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया कि इन हमलों से व्यापक जनहानि हुई है और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान के खिलाफ दो सप्ताह का विराम घोषित किया था। ईरान द्वारा प्रस्तुत 10 सूत्री प्रस्ताव, जिसे श्री ट्रंप ने वार्ता के लिए कारगर आधार बताया है, में सभी मोर्चों पर आक्रामक कार्रवाई रोकने की शर्त शामिल है, जिसमें लेबनान भी शामिल है।

इसी क्रम में, ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबफ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका के साथ वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचे हैं।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन ताजा मौतों के साथ 02 मार्च 2025 से अब तक इजरायल द्वारा युद्धविराम उल्लंघनों के कारण मारे गए लोगों की कुल संख्या 1,953 हो गई है।

बेरला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेरला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की प्रथम बैठक में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया तथा नवनियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में शामिल होने की अपनी ओर से बधाई प्रेषित की साथ ही साथ पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बुथ कांग्रेस कमेटी का गठन अति शीघ्र किया जाना चाहिए तथा बूथ कांग्रेस कमेटी के गठन में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सलाह एवं स्वीकार्यता को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार का विलंब न किया जाए साथी साथ उन्होंने यह भी कहा कि संगठन ने आपको यह अवसर दिया है कि आप इस संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं कांग्रेस पार्टी की असली ताकत कांग्रेस का कार्यकर्ता ही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धीरज नहीं खोता जनहित की मुद्दों पर सत्ता और सरकार से टकराने में भी हिचक नहीं करता आज अगर हमें कांग्रेस संगठन ने पदाधिकारी बनाया है तो हमारा दायित्व है कि हम संगठन के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दें कांग्रेस संगठन को ऊंचाई में ले जाने के लिए जो भी अपनी ओर से योगदान हो सकता है वह सभी करें आज कांग्रेस आम जनता की आशा का केंद्र है ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन को प्रत्येक बूथ स्तर पर पहले की अपेक्षा अत्यधिक संगठित एवं सशक्त करने की बात कही जिसके लिए लगातार संगठन में कार्य किया जा रहा है अनुभवी एवं युवा उत्साहियों को अवसर प्रदान किया जा रहे हैं लगातार संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को आम जनता से संपर्क बनाने एवं उनकी समस्याओं के लिए जुझारू बनने की समझाइए दी जा रही है लगातार क्षेत्र में क्षेत्र वासियों से अपेक्षित सहयोग भी मिल रहा है आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं समर्पण से कांग्रेस संगठन को और अत्यधिक मजबूत किया जाएगा बैठक को जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने भी संबोधित किया उन्होंने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सदस्य बनने पर अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आगे आने को कहा इस अवसर पर उपस्थित सुनील माहेश्वरी सतीश मार्कंडेय जी ललित विश्वकर्मा कविता साहू रवि परगहनिया विवेक (सुमित) सिंह राजपूत राजेश दुबे रास बिहारी कुर्रे सविता हिरवानी राजेश चंदेल योगिता साहू रामसिंह गायकवाड़ किशन साहू सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनएचएम कर्मचारियों की प्रदेश स्तरीय बैठक कल

बेमेतरा से भी बड़ी संख्या में जुटेंगे कर्मचारी, आगे की रणनीति पर होगा मंथन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक 12 अप्रैल 2026 को आमापारा, रायपुर में आयोजित की जाएगी।इस बैठक में बेमेतरा से भी एनएचएम कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थिति रहेंगे, इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों की वर्तमान स्थिति, भविष्य की दिशा एवं आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्रदेश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी स्वास्थ्य संस्थानों–जैसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों सहित पैरामेडिकल स्टाफ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गौरतलब है कि विगत माह एनएचएम कर्मचारियों द्वारा नियमितीकरण, ग्रेड पे, अनुकम्पा नियुक्ति, स्थानांतरण नीति, मेडिकल अवकाश सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एक माह से अधिक समय तक हड़ताल की गई थी। सरकार से आश्वासन मिलने के पश्चात आंदोलन को स्थगित किया गया था। इस दौरान मांगों के निराकरण हेतु विभागीय स्तर पर एक समिति का भी गठन किया गया है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रदेश स्तरीय बैठक में सभी जिलों से जिलाध्यक्ष एवं कर्मचारी प्रतिनिधि शामिल होंगे तथा लंबित मांगों के समाधान हेतु आगे की रणनीति तय की जाएगी।

संघ के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। साथ ही, कर्मचारियों ने यह भी उल्लेख किया है कि भाजपा के घोषणा पत्र में ÷मोदी की गारंटी÷ के अंतर्गत संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का उल्लेख किया गया है, जिस पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।

एंट्री कराने के बाद लौटते वक्त तेज रफ्तार ट्रेलर ने ली जान

तमनार /मूक पत्रिका

औद्योगिक क्षेत्र तमनार में एक बार फिर लापरवाह ड्राइविंग ने एक युवा की जिंदगी छीन ली। डोगामौहा स्थित जेपीएल कंपनी के मुख्य द्वार के पास गुरुवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय ट्रेलर चालक ओमप्रकाश मेहता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना ने न सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि भारी वाहनों की बेलगाम आवाजाही की हकीकत भी उजागर कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मृतक ओमप्रकाश मेहता, निवासी झारखंड, ट्रेलर क्रमांक छत्त 13 रु 3591 का चालक था और रोजाना की तरह सुबह डोगामौहा स्थित जेपीएल प्लांट से रायगढ़ की ओर जाने की तैयारी में था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी गाड़ी मेन गेट के पास साइड में खड़ी की और आवश्यक गेट पास एंट्री कराने के बाद वापस अपने वाहन की ओर लौट रहा था। इसी दौरान पीछे की ओर से आ रहे ट्रेलर क्रमांक छत्त 13 रु 0379 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमप्रकाश मेहता सड़क पर उछलकर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री का माहौल बन गया। साथी चालकों और कर्मचारियों ने तत्काल घायल को उठाकर तमनार अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, मृतक के सीने, सिर, माथे और कान समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं, जो जानलेवा साबित हुई। घटना की सूचना मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक के भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

बिलाईगढ़ एसडीएम प्रफुल्ल रजक ने किया ऑन द स्पॉट समाधान, स्कूल परिसर के कब्ज़ा पर चला बुलडोजर

प्रशासन की कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी का माहौल, राजस्व शिविर में दर्जनों आवेदन आए, अधिकारियों ने तुरंत किया समाधान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत मड़कड़ी में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत क्लस्टर शिविर का सफल आयोजन किया गया। दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्र में आयोजित इस शिविर में प्रशासन ने ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। शिविर का संचालन एसडीएम प्रफुल्ल रजक की उपस्थिति में किया गया, जिसमें राजस्व विभाग की पूरी टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत मड़कड़ी के सरपंच नंदू पटेल द्वारा स्कूल परिसर से लगी लगभग आधा एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीएम और तहसीलदार, नायब तहसीलदार की मौजूदगी में पटवारी द्वारा नक्शा सत्यापन किया गया और जेसीबी मशीन के माध्यम से मौके पर ही अवैध कब्जा हटाया गया। सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त किए जाने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस शिविर से कुल 22 गांवों के ग्रामीणों को सीधा लाभ मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी जमीन और राजस्व से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में 21 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें जाति सुधार, ऋण पुस्तिका गुम होना, बी-1 खसरा सुधार, आपसी बंटवारा, रिकॉर्ड संशोधन, फैती नामांतरण, रकबा त्रुटि सुधार और खाता विभाजन जैसे महत्वपूर्ण मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाया गया। शिविर में पहुंचे ग्राम सोनाडुला निवासी रोहित केवट ने बताया कि उनके बी-1 में जाति गलत दर्ज थी, जिसमें 'केवट' की जगह 'तेली' लिखा गया था। तहसीलदार द्वारा तत्काल सुधार करते हुए उनकी समस्या का समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर गांव-गांव में लगने से लोगों को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं और समय पर काम हो रहा है। इसी तरह ठाकुरडीहा निवासी रोहित कुमार की ऋण पुस्तिका (पर्ची) गुम हो जाने की समस्या का भी मौके पर समाधान करते हुए उन्हें नई पर्ची जारी की गई। शिवसहाय कर्ष ने भी जमीन से संबंधित त्रुटि के निराकरण पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है। शिविर में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधार मोबाइल नंबर सीडिंग, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकॉर्ड दुरुस्ती सहित विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ भी ग्रामीणों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर बिलाईगढ़ तहसीलदार कमलेश सिदार, नायब तहसीलदार देवराज सिदार, राजस्व निरीक्षक (आरआई), 6 हल्का के पटवारी एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा इस तरह के शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों तक योजनाओं और सेवाओं को सीधे पहुंचाने की पहल को सराहा जा रहा है।

सरसींवां नगर पंचायत में 14 अप्रैल को बाबा साहेब की 135वीं जयंती को धूमधाम से मनाया जाएगा

सरसींवां /मूक पत्रिका

भारतीय संविधान के शिल्पकार,भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती को हर साल की तरह इस वर्ष भी सरसींवा नगर पंचायत में धूमधाम से मनाया जाएगा।14 अप्रैल को दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारियां हो चुकी हैं,अंबेडकर जयंती के इस अवसर पर यह विशाल शोभायात्रा सरसींवा के नवीन बस स्टैंड स्थित तहसील कार्यालय परिसर से शुरू होगी जहां स्थापित डॉ.भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर प्रणाली से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद शोभायात्रा मुख्य मार्गों से गुजरते हुए पूरे बस्ती क्षेत्र का भ्रमण किया जाएगा। व्यवस्थापक व आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों को निमंत्रण देते हुए,सविनय के साथ अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए अपिल की ताकि शोभायात्रा के माध्यम से ,बाबा साहेब के सामाजिक व समरसता वाला विचारों का संदेश जन-जन तक पहुंच सके।

भुगतान में देरी और विभागीय बाधाओं से नाराज जल जीवन मिशन के ठेकेदार, काम बंद करने की चेतावनी

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर 10 अप्रैल जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य कर रहे ठेकेदारों ने भुगतान में देरी और विभागीय अड़चनों को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की है। जल जीवन मिशन ठेकेदार संघ, जिला उत्तर बस्तर कांकेर के बैनर तले दिए गए इस ज्ञापन में ठेकेदारों ने बताया कि जिले के कई गांवों में पाइपलाइन, टंकी निर्माण और सिंगल विलेज /रेट्रोफिटिंग जैसे कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन विभागीय समस्याओं के कारण भुगतान अटक रहा है जिससे ठेकेदारों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि विभाग द्वारा कार्य पूर्ण होने के बाद भी लगभग 70 प्रतिशत तक ही भुगतान किया जा रहा है, जबकि कई कार्य 80-90 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इससे ठेकेदारों को कार्य जारी रखने में कठिनाई हो रही है। इसके अलावा कई जगहों पर पेयजल स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण भी भुगतान रोका जा रहा है, जबकि स्रोत उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है। ठेकेदारों ने यह भी आरोप लगाया कि तैयार बिलों में एस.डी. और टेस्टिंग के नाम पर अतिरिक्त राशि काटी जा रही है, जो नियमों के विरुद्ध है। वहीं कुछ स्थानों पर ग्राम पंचायतों द्वारा भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने से कार्य प्रभावित हो रहा है। कई योजनाओं के फाइनल मापन और लंबित बिलों का भुगतान भी लंबे समय से अटका हुआ है। इसके अलावा जल जीवन मिशन के अंतर्गत बिजली कनेक्शन के लिए जमा किए गए डिमांड नोट के बावजूद विद्युत विभाग द्वारा समय पर कनेक्शन नहीं दिए जाने की शिकायत भी ज्ञापन में की गई है। ठेकेदार संघ ने मांग की है कि लंबित भुगतान जल्द जारी किया जाए और विभागीय समस्याओं का समाधान किया जाए। ठेकेदारों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे काम बंद करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

कांकेर में सरकारी जमीन पर बढ़ते अतिक्रमण के खिलाफ कांग्रेस का ज्ञापन, 10 दिन में कार्रवाई नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर10 अप्रैल शहर में सरकारी जमीन पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर (शहर) ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष यासीन करणी के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में शहर के कई स्थानों पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा और निर्माण कार्य होने का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन में बताया गया कि फायर ब्रिगेड स्टेशन नरहरदेव के पास बच्चों के लिए बनाए गए पुष्पवाटिका की खाली जमीन पर अतिक्रमण कर भवन निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा नरहरदेव मैदान के पास और अटल चौक क्षेत्र में भी सरकारी भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य किए जाने की शिकायत की गई है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी बताया कि शीतलापारा चौक और एंगल वैदिक स्कूल के सामने की गली में भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। वहीं भवानी सिंह नगर से शहीद रामकुमार स्मारक होते हुए ज्ञानी चौक तक सड़क किनारे सरकारी जमीन पर भी कब्जा कर निर्माण किए जाने का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिला अस्पताल के सामने स्थित ऐतिहासिक गांधी उद्यान के सौंदर्गीकरण के लिए 50 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिसे जल्द शुरू करने की मांग की गई है। साथ ही नया बस स्टैंड क्षेत्र में प्रस्तावित 21 व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर भी रोक लगाने की मांग की गई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से मांग की है कि शहर की सरकारी जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण पर तुरंत कार्रवाई की जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि 10 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो घड़ी चौक के पास सरकारी जमीन पर मवेशियों को बैठाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

50 पदों पर पदोन्नति को लेकर अवैध वसूली के लग रहे गंभीर आरोप

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में अब पदोन्नति का खेल!

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के शिक्षा विभाग में एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, जिले में संचालित शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कार्यरत कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। बताया जा रहा है कि भृत्य से सहायक ग्रेड-3, सहायक ग्रेड-3 से सहायक ग्रेड-2 तथा कनिष्ठ लेखा परीक्षक से वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद पर लगभग 50 पदों पर पदोन्नति की तैयारी की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में इस संबंध में युद्ध स्तर पर तैयारी चल रही है और विभागीय स्तर पर पात्र कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि एक सप्ताह के भीतर पदोन्नति सूची जारी की जा सकती है। लेकिन इसी बीच पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। सूत्रों का कहना है कि एक-एक पद पर पदोन्नति के लिए 40 हजार से 50 हजार रुपए तक की अवैध वसूली की जा रही है। आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कुछ कर्मचारियों के साथ-साथ कर्मचारी संगठनों से जुड़े कुछ लोग भी इस पूरे खेल में सक्रिय हैं। बताया जा रहा है कि पदोन्नति के लिए पात्र कर्मचारियों से यह कहा जा रहा है कि यदि वे 40 से 50 हजार रुपए तक खर्च करें तो उन्हें पदोन्नति दिलाने के साथ मनचाही जगह पर पदस्थापना भी कराई जा सकती है। इस तरह की चर्चाओं के बाद विभाग के भीतर असंतोष और बेचैनी बढ़ने लगी है। जानकारों का कहना है कि यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह शिक्षा विभाग में पदोन्नति के नाम पर बड़ा खेल साबित हो सकता है। वहीं विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

फर्जी शिक्षाकर्मियों से मासिक वसूली की चर्चा - जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर पहले भी विवादों में रहा है। कुछ समय पहले फर्जी शिक्षाकर्मियों से मासिक खर्चा वसूली की चर्चा सामने आई थी। बताया गया था कि कई अपात्र लोग वर्षों से सेवा में बने हुए हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय कथित रूप से उनसे नियमित वसूली की जा रही है। हालांकि, इस मामले में ठोस कार्रवाई अब तक सामने नहीं आई।

अपात्रों को अनुकंपा नियुक्ति देने का आरोप - शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति को लेकर भी कई सवाल उठ चुके हैं। आरोप लगाए गए कि पात्रता की अनदेखी कर कुछ लोगों को नियमों के विपरीत नियुक्ति दे दी गई। इस मामले में भी कई बार शिकायतें हुई, लेकिन जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई।

मनचाही पदस्थापना का पुराना खेल - जिले में लंबे समय से यह चर्चा भी चलती रही है कि कुछ शिक्षक और कर्मचारी मनचाही जगह पर पदस्थापना के लिए जुगाड़ लगाते हैं। आरोप है कि इसके लिए भी कार्यालय के भीतर अनौपचारिक तरीके से लेन-देन की व्यवस्था चलती है। हालांकि, विभागीय स्तर पर कभी भी इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया।

अपात्रों को पदोन्नति देने के आरोप - शिक्षा विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया भी कई बार विवादों में रही है। पूर्व में भी ऐसे आरोप लगे थे कि वरिष्ठता और पात्रता की अनदेखी कर कुछ कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दे दिया गया। इससे कई पात्र कर्मचारी वंचित रह गए थे और उन्होंने नाराजगी भी जताई थी।

प्रश्न पत्र छपाई पर भी उठ चुके हैं सवाल -हाल ही में जिले के स्कूलों के लिए कक्षा पहली से 11वीं तक के प्रश्न पत्रों की छपाई को लेकर भी विवाद सामने आया था। चर्चा रही कि स्थानीय प्रिंटिंग प्रेस को दरकिनार कर दूसरे राज्य के किसी प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्न पत्र छपवाए गए। साथ ही निविदा प्रक्रिया को लेकर भी पारदर्शिता पर सवाल उठे थे।

अब सबकी निगाहें पदोन्नति सूची पर - फ्लिहाल, शिक्षा विभाग में होने वाली पदोन्नति सूची को लेकर कर्मचारियों के बीच चर्चा का माहौल है। यदि वसूली के आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है तो शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली से जुड़े कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं।वहीं यह भी देखना होगा कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं और पदोन्नति प्रक्रिया को किस तरह पारदर्शी बनाते हैं।

मोतियाबिंद के साथ सर्वेक्षित मरीजों की ऑपरेशन सफल के पश्चात सत्यापन हुआ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मोतियाबिंद के सर्वेक्षित मरीजों का सफल ऑपरेशन के पश्चात आज उनका सत्यापन हुआ,पिछले वर्ष जिले में चिन्हांकित दोनों आंख से मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों की संख्या 304 एवं एक आंख से मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों की संख्या 985 थी, कुल मरीज 1289 जिनका सफल ऑपरेशन जिला चिकित्सालय रायगढ़ ,मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रायगढ़ ,रायपुर के अच्छे प्राइवेट हॉस्पिटल में ऑपरेशन की गई थी, शासन के नियमानुसार वित्तीय वर्ष 2024 ट्ट 2025 में दोनों आंख से पीड़ित मरीज की बचत नहीं रहने पर एक समय विशेष पर मोतिया बिंदु मुक्त घोषित किया जाता है हालांकि मोतियाबिंद एक उम्र पश्चात होने वाली बीमारी जो होता ही रहेगा उन मरीजों का आज रायगढ़ के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा तीनों ब्लॉक के उन मरीजों का सत्यापन हुआ आज की स्थिति में वे सफल है कि नहीं को उन्होंने गांव में जाकर देखा जांचा और उसकी रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेंगे सब ठीक ठाक होने पर बहुत जल्द ही अपना सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला मोतियाबिंद मुक्त घोषित हो सकेगा प्राप्त जानकारी के अनुसार उन सभी मरीजों का ऑपरेशन ठीक है सभी के आंखों में रोशनी है अब वे बेहतर तरीके से अपनी जिंदगी जी सकते है,जिला में 'मोतियाबिंद मुक्ति अभियान' के तहत वर्ष 2024-25 में किए गए ऑपरेशनों की गुणवत्ता और सफलता की जांच के लिए विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान रायगढ़ से आई विशेषज्ञ टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर उन मरीजों का सत्यापन किया, जिनकी दोनों आंखों का मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल हुआ था।सत्यापन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुसार, मोतियाबिंद मुक्त जिला बनाने के लक्ष्य के साथ सत्र 2024-25 में बड़ी संख्या में मरीजों के ऑपरेशन किए गए थे। इन ऑपरेशनों के बाद मरीजों की वर्तमान स्थिति, उनकी दृष्टि में सुधार और किसी भी प्रकार के संक्रमण या शिकायत की जांच के लिए रायगढ़ की टीम ने घर-घर और केंद्रों पर जाकर भौतिक सत्यापन किया। मरीजों ने जताई संतुष्टि सत्यापन के दौरान टीम ने उन मरीजों से सीधे संवाद किया जिनके दोनों आंखों के ऑपरेशन हुए थे। मरीजों ने बताया कि ऑपरेशन के बाद उनकी दुनिया फिर से रोशन हो गई है। रायगढ़ से आई टीम ने पाया कि अधिकांश मरीजों के ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहे हैं और उन्हें अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अभियान की सफलता पर जोर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस अभियान को गंभीरता से ले रहा है। सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी ताकि जिले को पूरी तरह मोतियाबिंद मुक्त बनाया जा सके। रायगढ़ की इस टीम ने अपनी जांच में स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों के समन्वय की भी प्रशंसा की। वर्ष 2025 ,2026 में भी जिला से 2556 से अधिक मोतियाबिंद के मरीजों का ऑपरेशन किया गया है इस वित्तीय वर्ष में स्कूली बच्चों को भी दूर दृष्टि या निकट दृष्टि दोष पाए गए 776 बच्चों को चश्मा वितरित किया गया है अभी वर्तमान समुदाय में स्वास्थ्य की आंकलन के लिए सर्वे किया जा रहा है उसमें भी मोतियाबिंद की शिकायत पाए जाए जाने उनका सत्यापन किया जाएगा मोतियाबिंद होने पर इनका ऑपरेशन किया जाएगा।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर 'गांव चलो-बूथ चलो-हॉस्टल चलो' अभियान, छात्रावास में हुआ संवाद

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला अध्यक्ष आकाश सिंह के निर्देशानुसार 'गांव चलोङ्कबूथ चलोङ्कहॉस्टल चलो' अभियान चलाया गया। इसी क्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा चांपा मंडल अध्यक्ष लव देवांगन के तत्वावधान में चांपा स्थित बालक छात्रावास में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी ली। छात्रों का मुंह मीठा कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक कार्तिकेश्वर स्वर्णकार,नगर मंडल महामंत्री गोपीचंद बरेठ, नगर मंडल उपाध्यक्ष मंगल चंद देवांगन एवं नरेंद्र ताम्रकार, निवर्तमान नगर मंडल अध्यक्ष गणेश श्रीवास, ईश्वर कंसारी, बुनकर प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक संजय देवांगन, अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष बजरंग देवांगन तथा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लव कुमार देवांगन उपस्थित रहे। इसके साथ पन्ने चंद देवांगन, शैलेन्द्र देवांगन, मनोज देवांगन, सुधीर सोनी, रिंकू वैष्णव, हितेश यादव, भोला देवांगन, अरुण देवांगन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संपर्क बढ़ाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी देना और विद्यार्थियों सहित आमजन की समस्याओं को सुनकर समाधान की दिशा में पहल करना है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने डॉ बिहारी लाल साहू से पाण्डुलिपि संरक्षण के संबंध में की चर्चा

ज्ञान भारत मिशन : पुराने हस्तलिखित रचनाओं को सहेजने का देशव्यापी अभियान

विश्व गुरु काल की कृति को डिजिटल युग में संरक्षित करने की कोशिश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला से जुड़े ग्राम चांटीपाली के विद्वान डॉ बिहारी लाल साहू से शुक्रवार को भेंट मुलाक़ात कर उनसे ज्ञान भारत मिशन के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने उन्हें प्राचीन हस्तलिखित धरोहर पांडुलिपियों, कृति संरक्षण में सहयोग देने की अपील की।

नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू ने भी योजना के व्यावहारिक पक्ष की जानकारी दी। डॉ बिहारी लाल साहू ने कहा कि यह अंचल सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न क्षेत्र है। यहाँ मूलभाषा छत्तीसगढ़ के साथ उड़िया एवं अन्य जनजातीय भाषाओं को प्रचलन है। यह अंचल छत्तीसगढ़ का पूर्वी द्वार है, सांस्कृतिक द्वार है। उल्लेखनीय है कि, ज्ञान भारतम मिशन भारत की विशाल हस्तलिखित धरोहर को संरक्षित करने, उसका डिजिटलीकरण करने और उसे प्रसारित करने की एक राष्ट्रीय पहल है, जो भावी पीढ़ियों के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करती है। इस मिशन के लिए 482.85 करोड़ रुपये (2024-31) आवंटित किए गए हैं, और कृति संपदा डिजिटल भंडार में पहले से ही 44.07 लाख से अधिक पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। पांडुलिपियां हमारे देश की एक ऐसी समृद्ध और बौद्धिक संपन्नता का वह अद्भुत खजाना हैं, जो भारत को और देश से अलग बनाता है। भक्ति काल से लेकर समय के चक्र के परिवर्तन के साथ साहित्य उपन्यास और हस्तलिखित लेखों की एक विस्तृत सामग्री भारत के विभिन्न विभिन्न हिस्सों में मौजूद है।

यह पुराने हस्तलिखित रचनाओं को सहेजने का देशव्यापी अभियान है, जिसमें विश्व गुरु काल की कृति को डिजिटल युग में संरक्षित करने की कोशिश भारत के द्वारा की जी रही है।

हसदेव नदी का सीना छलनी, घाट पर दिन-रात अवैध रेत खनन, खनिज विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

चांपा के मुक्तिधाम घाट पर पहुंची जेसीबी, लोगों के विरोध पर हटाई गई मशीन

चांपा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध रेत खनन पर रोक के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। हसदेव नदी के लछनपुर स्थित घाट पर दिन और रात बेखौफ होकर जेसीबी व चेन माउंटेन उतारकर रेत का अवैध खनन और हाइवा से परिवहन किया जा रहा है।

हैरानी की बात यह है कि खनिज विभाग और जिला प्रशासन या तो आंखें मूंदे बैठा है या फिर रेत माफियाओं को खुली छूट मिली हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार लछनपुर घाट पर लंबे समय से अवैध खनन चल रहा है। दिन-रात हाइवा में रेत भरकर खुलेआम परिवहन किया जा रहा है, जिससे नदी का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से नष्ट हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते दिनों रात के समय जेसीबी मशीन खनन करते-करते चांपा के वार्ड क्रमांक 1 स्थित मुक्तिधाम घाट की ओर पहुंच गई। वहां मौजूद लोगों ने जब कड़ा विरोध जताया और चालक को खरी-खोटी सुनाई, तब कहीं जाकर जेसीबी को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि विरोध के बावजूद रात में खनन और परिवहन बदस्तूर जारी है। भारी मशीनों के कारण नदी का तल गहराता जा रहा है, किनारे कटान का खतरा बढ़ गया है और आसपास के गांवों में जलस्तर व पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते अवैध खनन नहीं रोका गया तो हसदेव नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध कारोबार की जानकारी के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे। क्या संरक्षण मिल रहा है, या फिर लापरवाही ने माफियाओं को खुला मैदान दे दिया है?

कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर के निर्देशन में 'सुपर 60' मॉडल स्कूलों पर जोर, शिक्षा गुणवत्ता सुधार का खाका तैयार

सीईओ हरेश मंडावी बोले- हर बच्चे तक उत्कृष्ट शिक्षा पहुंचाना प्राथमिकता

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर 11 अप्रैल 2026 जिला उत्तर बस्तर कांकेर में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सुपर 60 मॉडल स्कूल' योजना को लेकर जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओं हरेश मंडावी के निर्देशन में जिला पंचायत सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल द्वारा की गई। इसमें जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं चयनित सुपर 60 मॉडल स्कूलों के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक में विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं, कक्षा-वार उपलब्धियों एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक कक्षाएं, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों का उपयोग एवं परिणामोन्मुखी शिक्षा प्रणाली को लागू करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय लक्ष्य आधारित अध्ययन वातावरण विकसित करे और नियमित मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाए। जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीएमसी ने बताया कि प्रारंभिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 3) में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। साथ ही डिजिटल शिक्षा, मेंटरिंग, अतिरिक्त कक्षाओं एवं सतत मूल्यांकन प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जिले के कुल 60 विद्यालयों को 'सुपर 60 मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत विकासखंडवार स्कूलों का चयन किया गया है- विकासखंड अंतागढ़ 8 स्कूल ,प्राथमिक शाला पोण्डगांव, भैसासुर, नीलझर, तालाबेड़ा, करेंगांव, कुहचे, गोडरी, हिमोड़ा-विकासखंड भानुप्रतापपुर 7 स्कूल प्राथमिक शाला भीरागांव, कोरर, कच्चे (मर्ज), चबेला, नारायणपुर, करमोती, कुर्री,विकासखंड चारामा 9 स्कूल प्राथमिक शाला हाराडूला, शाहवाडा, अरौद, लखनपुरी, साल्हेटोला, भर्रीटोला, सिरसिदा, लिलेझर, रामपुर,विकासखंड दुर्गुकोंदल 9 स्कूल प्राथमिक शाला पेडावारी (मर्ज), तराईघोटिया (मर्ज), सुखई (मर्ज), लोहत्तर (मर्ज), ईरागांव (मर्ज), डांगरा, भण्डारडीगी, - आमागढ़, मर्रामपानीविकासखंड कांकेर 9 स्कूल-प्राथमिक शाला पदौद, बेवरती, कंकालिनपारा, लट्टीपारा, पुत्री शाला, राजापारा, अन्नपूर्णापारा, भण्डारीपारा, माहुरबंदपाराविकासखंड कोयलीबेडा 9 स्कूल प्राथमिक शाला बाजारपारा चारगांव, पी.वी.विकासखंड कोयलीबेडा 9 स्कूल,प्राथमिक शाला बाजारपारा चारगांव, पी.वी. 50+51, छोटेबेठिया, रेंगावाही, बड़गांव, पी.वी. 31, इरपानार, पी.वी. 105, बांदे कॉलोनी,विकासखंड नरहरपुर 9 स्कूल प्राथमिक शाला कोटलभट्ठी, बाहनापानी, धनेसरा, रिसेवाडा, नयापारा अमोडा, पुरियापारा करप, मावलीपारा, दुधावा, कुरनाअधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन विद्यालयों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, जवाबदेही तय करना एवं सतत समीक्षा की जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि चयनित स्कूलों में सत्र 2026-27 से उन्नत शैक्षणिक व्यवस्था लागू की जाएगी।

अधिकारियों ने सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपने विद्यालयों में अनुशासन, गुणवत्ता और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्ययोजना तैयार करें।इस पहल को जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। इस प्रकार के पहल से जहां पालकों को निजी विद्यालयों के भारी भरकम फ़ीस की भी बचत होगी और बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी इस योजना की आम जनमानस के बीच शिक्षा विभाग के प्रति विश्वास में वृद्धि होगी ।

सांगीतराई में बड़ा खेल : सरकारी जमीन को बेचा, छिपाने के लिए पटवारी ने 'गिफ्ट' में ली जमीन

बिना शासन की अनुमति के खरीदी जमीन, नकद में हुआ है भुगतान

रायगढ़/मूक पत्रिका

सांगीतराई में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की जांच करने के लिए अनगिनत बार सीमांकन हो चुका है। पटवारियों की टीम अनाधिकृत निर्माण का प्रतिवेदन बनाकर दे चुकी है, लेकिन कार्रवाई जीरो है। सांगीतराई को कई पटवारियों ने अवसर की तरह भुनाया है। एक पटवारी ने तो अतिक्रमण पर कार्रवाई न करने के एवज में गिफ्ट के रूप में जमीन ही ले ली। सांगीतराई की करीब 15 एकड़ सरकारी जमीन को किसने बेचा, इसका पता राजस्व विभाग नहीं लगा सका है। लोगों के पास स्टाम्प पेपर है जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है लेकिन किसी को मतलब नहीं है। बेशकीमती जमीन को खाली कराना तो दूर नोटिस तक नहीं दिया गया। एक पटवारी ने खुद ही यहां जमीन खरीद ली। भुगतान भी नकद में किया। कोई भी शासकीय सेवक शासन से अनुमति लिए बिना जमीन नहीं खरीद सकता। यह बेहद गंभीर मामला है। सांगीतराई में पहले पटवारी की पदस्थापना की गई थी। सांगीतराई में 15 एकड़ से अधिक सरकारी जमीन को लोकल भूमाफ़िया ने स्टाम्प पर बेच दिया है।

कई परिवारों को चंद हजार रुपए में शासकीय जमीन का टुकड़ा दे दिया गया। पटवारी को इसमें प्रतिवेदन देना था। सीमांकन के बाद बेदखली की कार्रवाई की जानी थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पता चला है कि पटवारी ने खुद वहां खसरा नंबर 8/1 रकबा 0.117 हे. भूमि खरीद ली। साहबाईन पति श्रीराम, आजाद, राजेंद्र सिदार और उषा ने जमीन की रजिस्ट्री जून 2022 में पटवारी के नाम कर दी। इसके लिए कोई पूर्वानुमति नहीं ली गई।

नकद में किया भुगतान

पटवारी ने जमीन खरीदने से पहले विधिवत अनुमति ही नहीं ली। रजिस्ट्री में लिखा गया है कि लेन-देन नकद में किया गया है। 5.14 लाख रुपए भूमिस्वामी को पटवारी ने दिए। जबकि 20 हजार रुपए से अधिक की संपत्ति क्रय करने पर चैक से भुगतान करने का प्रावधान है। यह रकम अवैध आय से अर्जित की गई थी इसीलिए ऐसे भुगतान किया गया।

सूत्रों के मुताबिक इस जमीन की रजिस्ट्री में तत्कालीन सरपंच ने बहुत मदद की। इसकी शिकायत कलेक्टर से हुई थी। एसडीएम को जांच के आदेश भी दिए गए थे।

महिलाओं के सहयोग के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर भी सारंगढ़ में संचालित

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने किया सारंगढ़ में परिवार परामर्श केंद्र का शुभारंभ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे द्वारा परिवार परामर्श केंद्र ÷एकत्व÷ का शुभारंभ शनिवार को किया गया। यह केंद्र सिटी कोतवाली थाना परिसर में है, जहां अब पारिवारिक विवादों का शांति पूर्ण समाधान किया जाएगा। इस भवन को नवपदस्थ पुलिस कर्मियों ने सजाया था। कार्यक्रम में एसडीएम वर्षा बंसल, तहसीलदार तोमन ध्रुव, एसडीओपी स्नेहिल साहू, प्रभारी जितेंद्र चंद्रा एवं कोतवाली प्रभारी कामिल हक सहित अन्य उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि समाज का महत्वपूर्ण इकाई परिवार है। परिवार में पति-पत्नी, पिता पुत्र जैसे कई रिश्तों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होती हैं। पहले जहां परिवार के बुजुर्ग आपसी विवादों को सयुंक्त परिवार में सुलझा लेते थे, वहीं अब ऐसे समस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार के परामर्श केंद्र की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसमें काउंसलर की संख्या बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे ही सुविधा महिलाओं के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर में भी है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के प्रयासों से पुलिस विभाग को यह महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि अब तक परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से 28 परिवारों को टूटने से बचाया जा चुका है, जो आज सुख, शांति और समृद्धि के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। एडिशनल एसपी निष्ठा पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि छोटी - छोटी बातों को नजरअंदाज करना ही रिश्तों को मजबूत बनाए रखने का मूल मंत्र है। उन्होंने नशा खोरी को भी पारिवारिक विघटन का एक बड़ा कारण बताया और लोगों से अपील की कि - समस्याओं को बढ़ाने के बजाय परामर्श केंद्र में आकर समाधान खोजें। उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता के अलगाव का बच्चों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है।

7 काउंसलरों द्वारा टूटते रिश्तों को जोड़ने की पहल

कार्यक्रम के दौरान पांच नए परामर्शदाताओं को भी जोड़ा गया, जिनमें मधु केजरीवाल, पूनम शर्मा, शीला अग्रवाल, आशा अग्रवाल एवं शशिकला अग्रवाल शामिल हैं। वहीं अनुभवी परामर्शदाताओं में अनुपमा केशरवानी एवं ठाकुर की सेवाएं भी जारी रहेंगी। यह परिवार परामर्श केंद्र अब जिले में पारिवारिक समस्या के समाधान हेतु एक सशक्त मंच के रूप में कार्य करेगा, जहां गोपनीयता के साथ समस्याएं सुनी जाएंगी और अनुभवी मार्गदर्शन द्वारा रिश्तों में सुधार लाया जाएगा।

भानुप्रतापपुर : आदिवासी ध्रुव गोंड समाज के अधिवेशन में शामिल हुए विधायक आशाराम नेताम, युवाओं से की नशामुक्त समाज की अपील

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर अंतर्गत ग्राम फरसकोट में आयोजित 'छत्तीसगढ़ आदिवासी ध्रुव गोंड समाज' के 38वें वार्षिक अधिवेशन में क्षेत्रीय विधायक आशाराम नेताम मुख्य रूप से शामिल हुए। इस गरिमामय अवसर पर समाज के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने विधायक जी का आत्मीय स्वागत किया। अधिवेशन को संबोधित करते हुए विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली परंपराएं और उनकी अद्भुत एकजुटता हमारी असली पहचान है। उन्होंने समाज की इस एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज को नई दिशा और शक्ति मिलती है। विधायक नेताम ने विशेष रूप से समाज के युवाओं के साथ संवाद किया। उन्होंने युवाओं को बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने की कड़ी नसीहत दी और उन्हें शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि÷युवा ही समाज और राष्ट्र के भविष्य के सशक्त स्तंभ हैं। यदि हमारी युवा पीढ़ी जागरूक और नशामुक्त रहेगी, तभी समाज का सर्वांगीण विकास संभव है।÷

संपादकीय

दूषित पेयजल- लापरवाही की कीमत चुकाती जनता

पीने का स्वच्छ पानी सबसे बुनियादी जरूरतों में से एक है, जिसके सुरक्षित होने के सवाल पर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। विडंबना यह है कि देश के अनेक हिस्सों में दूषित पेयजल से उपजे जोखिम के मामले सुर्खियों में आने पर सब कुछ ठीक करने के सरकारी आश्वासन जरूर सामने आते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वैसी ही घटना कहीं और से सामने आ जाती है।गौरतलब है कि जयपुर के सुशीलपुरा इलाके में दूषित पेयजल से पिछले हफ्ते सैकड़ों लोग बीमार हो गए। इनमें बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लोगों ने उल्टी, दस्त, पेट दर्द, जी मिचलाने और बुखार जैसे लक्षणों की शिकायत की।खबरों के मुताबिक, इलाके में सड़क बनाने के काम के दौरान पानी की भूमिगत पाइपलाइन टूट गई, जिससे पेयजल में सीवर का पानी मिल गया। ऐसा लगता है कि न तो स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति को लेकर सरकार गंभीर है, न ही विकास कार्यों के दौरान इस बात का खयाल रखना जरूरी समझा जाता है कि क्या इसकी वजह से दूसरी गंभीर समस्या पैदा हो सकती है।देश के किसी हिस्से में दूषित पेयजल की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। करीब तीन महीने पहले देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पानी पीने की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों बीमार हो गए। तब यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चिंता का कारण बना था और इसके बाद हर ओर से पेयजल आपूर्ति को सुरक्षित बनाने की मांग उठी थी।हकीकत यह है कि आए दिन देश के किसी हिस्से से दूषित पेयजल की वजह से लोगों के बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। सवाल है कि जिस दौर में हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें अक्सर ऐसी घटनाएं सामने क्यों आ रही हैं कि लोगों के घरों में दूषित पेयजल पहुंच रहा है।कभी सीवर का पानी पाइपलाइन में मिल जाता है, तो कभी किसी अन्य कारण से जहरीला पेयजल लोगों तक पहुंचता है। विकास कार्यों के संचालन और तालमेल की हालत यह है कि सड़क की खुदाई करते हुए इस बात को लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता कि पेयजल की पाइपलाइन को कोई नुकसान न पहुंचे।सरकार के कामकाज में बरती गई लापरवाही की वजह से आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की किसी घटना का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे हर कदम सख्ती से उठाए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो।मगर सच यह है कि जब कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन इसके कुछ समय बाद सब कुछ बदस्तूर चलने लगता है।सरकारी महकमों की लापरवाही और कुप्रबंधन की वजह से जब बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं या उनकी जान जाती है, तो निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करके समस्या का हल मान लिया जाता है, जबकि इसके वास्तविक दोषी बचे रह जाते हैं।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल- पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

(योगेश कुमार गोयल)

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है।

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी – विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार-क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा? – ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर

जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट – भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल – युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया था। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

बिजली खपत का बदलता स्वरूप – भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप- ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा – ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

(योगेश कुमार गोयल)

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य-हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

युद्ध के बावजूद ईरान की हवा साफ, मगर शांति के बावजूद दिल्ली, मुंबई में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

(नीरज कुमार दुबे)

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही।

पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेबनान, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और इजराइल के कई इलाकों में मिसाइल हमले और बमबारी जारी हैं। कई शहरों के ऊपर तेल और धुएं के काले गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इन युद्ध प्रभावित इलाकों की हवा भारत के कई प्रमुख शहरों से कहीं ज्यादा साफ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध क्षेत्र में भी हवा का स्तर दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों से बेहतर बना हुआ है।

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही। दोपहर बारह बजे तेहरान का अधिकतम एक्यूआई 47 रहा, जो अच्छे स्तर में आता है। इसके विपरीत दिल्ली में सुबह आठ बजे एक्यूआई 323 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है।

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

इसके बावजूद वास्तविक समय के आंकड़े बताते हैं कि तेहरान में एक्यूआई अधिकतर समय शून्य से पचास के बीच यानी स्वस्थ श्रेणी में बना रहा। यह तथ्य भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है क्योंकि भारत के कई महानगरों में वायु प्रदूषण लगातार खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में रहता है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में प्रदूषण की समस्या मुख्य

रूप से स्थानीय कारणों से पैदा होती है। सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। तेजी से बढ़ती निजी गाड़ियों की संख्या नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को बढ़ाती है। यही वजह है कि दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ जैसे शहर भी समय समय पर खराब हवा से जूझते रहते हैं।

इसके अलावा निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाले धुएं तथा ईंट भट्ठों से उत्सर्जित गैसें भी प्रदूषण को बढ़ाती हैं। डीजल जनरेटर से निकलने वाला धुआं और सड़कों की धूल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण इलाकों में खाना पकाने के लिए लकड़ी, गोबर और जैव ईंधन जलाने से भी हवा में प्रदूषण बढ़ता है।

उत्तर भारत में एक और महत्वपूर्ण कारण खेतों में पराली जलाना है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से धुआं बड़ी मात्रा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक पहुंचता है और सर्दियों में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब कर देता है।

भौगोलिक स्थिति भी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक तरह के निचले बेसिन में स्थित है। इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण पश्चिम में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस कारण प्रदूषक तत्व यहां फंस जाते हैं और आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। साथ ही उत्तर पश्चिम से बलूचिस्तान और थार मरुस्थल की ओर से आने वाली धूल भी प्रदूषण को बढ़ाती है।

इसके विपरीत तेहरान, तेल अवीव, बेरूत और दुबई जैसे कई पश्चिम एशियाई शहर समुद्र के नजदीक स्थित हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां हवाएं प्रदूषकों को तेजी से फैलाकर साफ कर देती हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण हवा का प्रवाह बेहतर रहता है और प्रदूषण का जमाव कम होता है।

वहीं मुंबई समुद्र किनारे होने के बावजूद प्रदूषण से जूझता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका मुख्य कारण स्थानीय स्रोत हैं, खासकर वाहनों की अत्यधिक संख्या। मुंबई में वाहनों का घनत्व कई शहरों की तुलना में कई गुना ज्यादा है, इसलिए यहां प्रदूषण का स्तर भी ऊंचा बना रहता है।

इसके अलावा, युद्ध से होने वाला प्रदूषण भी एक अलग प्रकृति का होता है। बमबारी या आग लगने से भारी मात्रा में धुआं और जहरीली गैसें निकलती हैं, लेकिन यह प्रदूषण अक्सर अस्थायी होता है। जब आग बुझ जाती है या घटना समाप्त हो जाती है तो उस स्रोत से निकलने वाला प्रदूषण भी रुक जाता है। इसके विपरीत वाहनों, उद्योगों और निर्माण कार्य से निकलने वाला धुआं लगातार हवा में जाता रहता है, जिससे लंबे समय तक प्रदूषण बना रहता है।

हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल के दिनों में दिखाई दी गई स्मॉग को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह ईरान में तेल रिफाइनरी पर हमलों से जुड़ी हो सकती है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्मॉग दरअसल पश्चिमी हवाओं के साथ आई मरुस्थलीय धूल का परिणाम है।

देखा जाये तो वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों के फेफड़ों के विकास पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। एक हालिया वैश्विक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में लगभग सत्रह लाख अठारह हजार लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हुई।

युद्ध क्षेत्र में उठने वाला धुआं भले ही डरावना दिखाई दे, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार भारत के शहरों में फैला स्थायी प्रदूषण कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह धीरे धीरे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और एक तरह से अदृश्य हत्यारा बन जाता है।

बहरहाल, इस पूरी स्थिति से एक स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारत में प्रदूषण से निपटने के लिए वाहनों के उत्सर्जन, उद्योगों के धुएं, निर्माण धूल और पराली जलाने जैसी समस्याओं पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। जब तक इन स्रोतों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक देश के शहरों में स्वच्छ हवा का सपना अधूरा ही रहेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर गनियारी जन स्वास्थ्य केंद्र पहुची अंजलि तेंदुलकर, सारा तेंदुलकर, सानिया चांडोक, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा, गांव की चौपाल से अस्पताल तक चर्चा

बिलासपुर । विश्व प्रसिद्ध क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का परिवार मंगलवार को बिलासपुर पहुंचा अंजलि तेंदुलकर, सारा तेंदुलकर और सानिया चांडोक तीनों सीधे मंगला चौक स्थित कोर्टयार्ड मैरियट में ठहरीं, जहां उनका 24 घंटे का प्रवास पर गनियारी स्थित जन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया गया, फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया और डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक यह पूरा दौरा एक सामाजिक संस्था के आमंत्रण से जुड़ा रहा और स्वास्थ्य क्षेत्र में संभावित सहयोग को लेकर भी बातचीत हुई। खबर लिखे जाने तक सचिन तेंदुलकर परिवार अंजलि तेंदुलकर, सारा तेंदुलकर और सानिया चांडोक गनियारी स्थित जन स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मौजूद रही द्य मिली जानकारी के अनुसार आज ही कार्यक्रम समाप्त करने के बाद परिवार आज शाम बिलासपुर से मुंबई के लिए रवाना हो सकते है।

मजदूर की शिकायत पर इंटक अध्यक्ष इदरीस अंसारी ने कराया समझौता, 70 हजार के विवाद का हुआ निपटारा

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में मजदूरी भुगतान को लेकर हुए विवाद में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के जिला अध्यक्ष इदरीस अंसारी की पहल पर आपसी समझौता कर मामला सुलझा लिया गया। मामला सारबहरा सिंचाई नगर का है, जहां लेबर ठेकेदार नरेंद्र सिंह सतनामी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाई गई। जानकारी के अनुसार, पूर्व सरपंच मुन्ना सिंह भैना (अंजनी) द्वारा निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी मजदूरी करीब 70 हजार रुपये का भुगतान लंबित था। इस संबंध में लेबर ठेकेदार नरेंद्र सिंह सतनामी ने थाना गौरेला में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए मामला न्यायालय भेज दिया गया था। इसी दौरान नरेंद्र सिंह का दुर्घटना हो जाने के कारण लंबे समय तक उनका इलाज चलता रहा, जिससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गए। ठीक होने के बाद जब मजदूरी के भुगतान के लिए दबाव बढ़ा, तो वे न्यायालय जाने में असमर्थ रहे और अपनी समस्या लेकर इंटक कार्यालय पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंटक अध्यक्ष इदरीस अंसारी ने दोनों पक्षों को बुलाकर चर्चा की। मुन्ना सिंह भैना ने अपनी खराब तबीयत और लंबे इलाज का हवाला देते हुए तत्काल भुगतान में असमर्थता जताई। इसके बाद इदरीस अंसारी ने मध्यस्थता करते हुए 70 हजार रुपये की जगह 45 हजार रुपये में समझौता कराया। यह राशि तीन किस्तों में देने पर दोनों पक्षों के बीच लिखित सहमति बनी। हालांकि, शुरुआत में नरेंद्र सिंह ने पूरे भुगतान की मांग की।

जल संरक्षण और 'नवा तरिया' पर जोर, पंचायतवार की समीक्षा

30 अप्रैल तक सभी अपूर्ण आवास पूर्ण करें-कलेक्टर संजय अग्रवाल

- आवास निर्माण में तेजी लाने के निर्देश, कोटा जनपद पर जताई नाराजगी
- पीएम आवास के 25 हजार से अधिक घर प्रगतिरत, 30 अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य

बिलासपुर। जिले में संचालित आवास एवं मनरेगा कार्यों की प्रगति को लेकर कलेक्टर संजय कुमार अग्रवाल ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने 30 अप्रैल तक सभी अपूर्ण आवास पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री संजय कुमार अग्रवाल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उपअभियंता, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, विकासखंड समन्वयक आवास तथा तकनीकी सहायक उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पीएम-जनमन योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जिले में वित्तीय वर्ष 2024-26 के अंतर्गत स्वीकृत 71,508 आवासों में से 45,889 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 25,619 आवास प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने सभी तकनीकी सहायकों को 30 अप्रैल 2026 तक शेष आवासों को पूर्ण कराने का लक्ष्य दिया। पीएम-जनमन योजना में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत कोटा के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी और शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक आवास में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने हेतु हितग्राहियों को प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने मनरेगा अंतर्गत चल रहे कार्यों की विकासखंडवार एवं पंचायतवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। प्लिंथ स्तर के आवासों एवं शेष निर्माणाधीन कार्यों में 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराकर कार्य पूर्ण करने को कहा गया।उन्होंने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए नवा तरिया आय के जरिया योजना के तहत नए तालाबों के चयन, स्वीकृति एवं शीघ्र पूर्णता के निर्देश दिए। साथ ही युक्तधारा पोर्टल के अनुसार कार्यों के चयन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अपूर्ण कार्यों को अप्रैल माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जिला विकास प्राधिकरण योजना के तहत लंबित एवं अप्रारंभ कार्यों को भी 30 अप्रैल 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए गए।

अखिल भारतीय रेल क्रिकेट प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम उपविजेता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम ने अखिल भारतीय रेल क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का गौरव प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में टीम ने मेट्रो रेलवे के विरुद्ध शानदार संघर्ष का परिचय दिया और द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का लीग चरण चेन्नई में तथा नॉकआउट चरण मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर की विभिन्न रेलवे टीमों ने भाग लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का प्रभावशाली सफर तय किया। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्रिकेट टीम ने पिछले चार वर्षों में तीन बार फाइनल में स्थान बनाकर पदक सुनिश्चित किया है, जिसमें एक स्वर्ण पदक एवं दो रजत पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल भावना को दर्शाती है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपरांत आज टीम के खिलाड़ियों ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने खिलाड़ियों को कहा कि टीम ने जिस समर्पण, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बल्कि पूरे भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय है। मुझे विश्वास है कि आप सभी भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त महासचिव एवं समस्त खेल परिवार द्वारा भी टीम के सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

आमागोहन पटवारी अंकित स्वर्णकार को हटाने ग्रामीणों ने घेरा कलेक्ट्रेट

- कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव भी ग्रामीणों के साथ पहुचें, पूर्व के शिकायत पर कार्यवाही नहीं

बिलासपुर। बिलासपुर जिला के कोटा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आमागोहन मोहली एवं तुलुफ के ग्रामीण हल्का मे पदस्थ पटवारी अंकित स्वर्णकार के विरूध्द शिकायत एवं स्थानांतरण करने की मांग लेकर कलेक्टर कार्यालय बिलासपुर पहुचें ग्रामीण भारी संख्या में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के निवास पहुचे फिर विधायक के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर महोदय से पटवारी अंकित स्वर्णकार के विरूध्द शिकायत दर्ज कराया ग्रामीणो ने कलेक्टर महोदय से चर्चा के दौरान बताया कि पटवारी पिछले 6 माह से लगातार मनमानी कर किसानों से दुर्व्यव्हार के साथ आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है फौती नामांतरण बटवारा सीमांकन जाति निवास सहित प्रत्येक कार्य के लिये खुलेआम मोटी रकम का मांग करता है धान के गिरदावरी भौतिक सत्यापन के नाम पर किसानों से हजारो राशि का मांग किया गया अनेक किसानों द्वारा राशि नही देने पर 150 किसानों का धान का रकबा विलोपित या कम या त्रुटि कर धान बिक्री करने से जानबुझकर वंचित किया गया वही अन्य साहुकार जो धान का फसल नही बोये है उनका अवैध पंजीयन कर गलत लोगों का धान बिक्री करने मे फायदा पहुचाया गया है ग्राम के शासकीय भूमि से मिटटी निकालकर ठेकेदारों को लाखों में बेचा जा रहा है ग्रामीणों ने बताया कि पटवारी के उक्त कारनामों की शिकायत तहसीलदार एवं एसडीएम से अनेक बार की गई है।

जिले में जनसमस्या निवारण शिविरों की तिथियां तय,16 अप्रैल से शुरुआत होगी

बिलासपुर। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसमस्या निवारण शिविरों का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ये शिविर 16 अप्रैल से प्रारंभ होकर 2 जुलाई 2026 तक विभिन्न तहसीलों में आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण करने पर विशेष जोर रहेगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल को बिल्हा से शिविरों की शुरुआत होगी। इसके बाद 25 अप्रैल को बिलासपुर और 30 अप्रैल को तखतपुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे। मई माह में 8 मई को मस्तूरी, 16 मई को कोटा, 22 मई को बेलतरा तथा 28 मई को सकरी में शिविर लगाए जाएंगे। इसी क्रम में जून माह में 4 जून को बेलगहना, 12 जून को रतनपुर, 20 जून को पचपेड़ी और 25 जून को सीपत में शिविर आयोजित होंगे। अंतिम चरण में 2 जुलाई को बोदरी में शिविर आयोजित कर अभियान का समापन किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथियों पर शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के निर्देश एसडीओ राजस्व और सीईओ जनपद को दिए गए।

143 नए लोको,2,263 किलोवाट सौर ऊर्जा और एआई ड्रोन के साथ रची प्रगति की नई गाथा.....

ऊर्जा, नवाचार और हरित पहल से सशक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे!

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, जो देश के माल परिवहन की धूरी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस सशक्त व्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विद्युत विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के दौरान विभाग ने रिकॉर्ड उपलब्धियाँ हासिल करते हुए हरित ऊर्जा, अत्याधुनिक तकनीक और परिचालन दक्षता के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ हुई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रमुख उपलब्धि के रूप में 143 नए विद्युत लोकोमोटिव का सफल कमीशनिंग किया गया, जिनमें 74 इलेक्ट्रिक लोको शेड/भिलाई तथा 69 इलेक्ट्रिक लोको शेड/बिलासपुर में शामिल हैं। यह एक वित्तीय वर्ष में अब तक की सर्वाधिक उपलब्धि है। इसके साथ ही कुल लोकोमोटिव बेड़े की संख्या 721 से बढ़कर 805 हो गई, जो 11.65त्न की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। मालगाड़ियों के लिए औसत मासिक लोको उपलब्धता 665.02 रही, जो रेलवे बोर्ड के निर्धारित लक्ष्य 651 से अधिक है। हरित ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 2,263.625 किलोवाट पीक क्षमता के सौर संयंत्र की स्थापना कर चालू किए गए, जिससे रेलवे परिसंपत्तियों को स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराई जा रही है तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जा रही है। तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में रायपुर मंडल ने भारतीय रेल में पहली बार एआई-सक्षम ड्रोन के माध्यम से ओवरहेड उपकरण (ओएचई) की निगरानी शुरू की है। यह अत्याधुनिक प्रणाली हाई वोल्टेज तारों का सुरक्षित एवं सटीक निरीक्षण कर संभावित खामियों की पहचान करती है, जिससे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण हेतु 211.45 ट्रैक किलोमीटर निक्को संपर्क तार एवं 173.44 ट्रैक किलोमीटर एल्युमिनियम कैटेनरी तार का प्रतिस्थापन किया गया। इसके अतिरिक्त सिग्नलिंग प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए 44 नए ऑटो-ट्रांसफॉर्मर भी स्थापित किए गए।

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/475/प्र./ना.तह / 2025
रा.प्र.क्र. अ-62 वर्ष 25-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मण प्रसाद पिता स्व. झाडुराम निवासी ग्राम खम्हरिया तहसील व जिला बेमेतरा के समक्ष ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 14 स्थित स्वामित्व की भूमि ख.नं. 150/1 रकबा 0.38 हे. भूमि में सागोन वृक्ष है सागोन के वृक्षों को घर के निजी काम के वजह से काटे जाने की अनुमति बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र जांच प्रतिवेदन बाबत् न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेरी तारीख 13/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाँक 01/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/533/प्र./ना.तह / 2025
रा.प्र.क्र. अ-62 वर्ष 25-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुलारू दास पिता स्व. श्री जयपाल पाटले निवासी ग्राम खम्हरिया तहसील व जिला बेमेतरा के समक्ष ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 14 स्थित स्वामित्व की भूमि ख.नं. 154/1 रकबा 0.07 हे. भूमि में दो नग सागोन वृक्ष है सागोन के वृक्षों को घर के निजी काम के वजह से काटे जाने की अनुमति बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र जांच प्रतिवेदन बाबत् न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेरी तारीख 13/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाँक 01/4/20266 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वेदप्रकाश चौबे षिता रामाधार चौबे जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम मोहतरा तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक की पुत्री ज्योति का जन्म दिनांक 10/05/1996 को ग्राम मोहतर। तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा ज्योति का जन्म पंजीयन ग्राम कोटवार/थाना/नगर पंचायत नवागढ़ में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो रही है ग्राम पंचायत/नगर पंचायत / जनपद पंचायत मोहतरा को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला- बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रताप श्री पिता हेमलाल जाति तेली निवासी ग्राम मोहतरा तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक के पिता हेमलाल का मृत्यु दिनांक 08/08/20.08 को ग्राम मोहतर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा हेमलाल का मृत्यु पंजीयन ग्राम कोटवार/थाना/नगर पंचायत नवागढ में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो रही है ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/ जनपद पंचायत मोहतर को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो ता पेशी दिनांक 15/04/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला- बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/328/प्र./ना. तह/2025
रा.प्र.क्र. अ-62 वर्ष 25-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रकाश कुमार ध्रुव पिता हजारी लाल ध्रुव निवासी ग्राम मुटपुरी तहसील व जिला बेमेतरा के समक्ष ग्राम मुटपुरी प.ह.नं. 14 स्थित स्वामित्व की भूमि ख.नं. 245 रकबा 0.4500 हे. स्थित 2 नग सागौन के वृक्षों को घर के निजी काम के वजह से काटे जाने की अनुमति बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र जांच प्रतिवेदन बाबत् न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेश तारीख 16/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाँक 10/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप ने उचित मुल्य दुकानों आंगनबाड़ी केन्द्र और छात्रावास का किया निरीक्षण....

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने आज जिला प्रवास के दौरान विभिन्न उचित मूल्य दुकानों और आंगनबाड़ी केन्द्र एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद परियोजना कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास विभाग के सभा कक्ष में बैठक लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पूरक पोषण आहार एवं मध्यान भोजन योजना तथा शासकीय आश्रम-छात्रावास को बीपीएल दर पर प्रदाय खाद्यान्न भोजन की समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों को समय पर खोले जाने, नागरिक आपूर्ती निगम के परिवहनकर्ताओं द्वारा हर महीने समय पर खाद्यान्न भंडारण और तौलकर खाद्यान्न वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य शासन के निर्देश अनुसार सभी राशन दुकानों में तीन माह के खाद्यान्न भंडारण 20 अप्रैल तक करने और प्रत्येकहितग्राही को अनिवार्य रूप से अप्रैल, मई एवं जून तीन माह का चावल एकमुश्त बांटने के निर्देश दिए। बैठक में पूरक पोषण आहार योजना के संदर्भ में पोषण ट्रेकर में दर्ज एवं दैनिक उपस्थिति का पंजीकृत बच्चों की संख्या तथा भौतिक रूप से उपस्थित बच्चों की संख्या से प्रति परीक्षण करने हेतु केंद्रों का औचक निरीक्षण करने और आंगनबाडी केन्द्रो में सभी सूचनाओं के प्रदर्शन के निर्देश दिए गए। इसी तरह जिले के सभी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत प्रति डाईट खाद्यान्न दाल, सब्जी आदि की मात्रा प्रदर्शित करने तथा इसके क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर पुलिस-चोर का हाईवोल्टेज सीन, आरोपी ने कार के अंदर खुद को मारी गोली

इनलैंड एम्पायर, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया के इनलैंड एम्पायर इलाके में बुधवार दोपहर एक फिल्मी अंदाज में शुरू हुई पुलिस लुका-छिपी का अंत बेहद दर्दनाक रहा। ग्रैंड थेफ्ट (बड़ी चोरी) के एक आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए लगभग एक घंटे तक सड़कों पर कार दौड़ाई और अंत में एक दीवार से टकराने के बाद खुद को गोली मार ली। घटना दोपहर लगभग 2:00 बजे शुरू हुई जब रिवरसाइड काउंटी शेरिफ विभाग के डिप्टी अधिकारियों ने 'पैच रेंच रोड' के पास एक संदिग्ध कैडिलैक कार देखी। यह व्यक्ति चोरी के मामले में वांछित था। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो उसने रुकने के बजाय कार की रफ्तार बढ़ा दी। आरोपी ने अपनी कार 10 और 15 नंबर के फ्री-वे पर दौड़ानी शुरू कर दी। पीछा करने के दौरान पुलिस को खबर मिली कि संदिग्ध के पास हथियार (हैंडगन) भी है। करीब एक घंटे तक चले इस ड्रामे के दौरान जुरुपा वैली हाई स्कूल के पास एक मोड़ पर पुलिस ने उसे घेर लिया। सुरक्षा के मद्देनजर स्कूल को तुरंत लॉकडाउन कर दिया गया। काफी देर तक चले गतिरोध (स्टैंडऑफ) के बाद, आरोपी ने दोबारा भागने की कोशिश की और पुलिस की 'स्पाइक स्ट्रिप' (कीलों की पट्टी) के ऊपर से कार निकाल दी। पुलिस ने कार रोकने के लिए 'ग्रैपलर' (टायर फंसाने वाला उपकरण) का इस्तेमाल किया, लेकिन वह कार में नहीं फंसा। इसी आपाधापी में आरोपी ने नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे एक घर की कंक्रीट की दीवार से जा टकराई। दीवार के पीछे मौजूद एक शख्स ने भागकर अपनी जान बचाई। उसने बताया, 'कार इतनी तेज थी कि मुझे लगा आज मैं नहीं बचूँगा। धमाके की आवाज के साथ चारों तरफ मलबा उड़ रहा था।' टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दो बख्तरबंद गाड़ियों से उसे घेर लिया। ड्रोन की मदद से कार के अंदर देखा गया। पुलिस के बार-बार सरेंडर करने के आदेश के बावजूद आरोपी बाहर नहीं निकला। शाम करीब 5:00 बजे पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और कार का पिछला शीशा तोड़ दिया। जब 5:45 बजे अधिकारी कार के पास पहुँचे और दरवाजा खोला, तो आरोपी मृत पाया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि उसने खुद को गोली मार ली थी।

रनवे से उतरकर धधका विमान, दुर्घटना में दो लोगों की मौत

एरिजोना एजेंसी। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर भीषण विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान रनवे से उतर गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हैथवे ने बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। माराना पुलिस विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है और कोई अन्य विमान इस दुर्घटना में शामिल नहीं था। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है। माराना टक्सन से लगभग 32 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का नया हमला, नाटो पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड को लेकर विवादित टिप्पणी कर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज कर दी है। ईरान के साथ हालिया संघर्ष विराम के बाद ट्रंप ने नाटो देशों पर तीखा हमला बोला और सहयोग की कमी पर सवाल उठाए। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा 'नाटो हमारे साथ तब नहीं था जब हमें उनकी जरूरत थी और आगे भी नहीं होगा। ग्रीनलैंड को याद रखें, वह बड़ा और खराब तरीके से संचालित बर्फ का टुकड़ा!' ग्रीनलैंड, जो डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्त क्षेत्र है, लंबे समय से अमेरिका की रणनीतिक नजर में रहा है। ट्रंप पहले भी इस क्षेत्र को खरीदने या नियंत्रण में लेने की बात कह चुके हैं। ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति और खनिज संसाधन इसे वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण बनाते हैं, खासकर रूस और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच। नाटो को लेकर ट्रंप की नाराजगी नई नहीं है, लेकिन इस बार उनका बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम हुआ है।

अंतरिक्ष में नासा का 192 करोड़ का टॉयलेट हुआ जाम

वेस्ट फेंकने में नाकाम हुआ ओरियन, संकट में 4 एस्ट्रोनॉट्स

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के ऐतिहासिक सफर पर निकले अरतिमिस 2 मिशन के दौरान एक दिलचस्प और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक तरफ दुनिया अंतरिक्ष यात्रियों के चांद के करीब पहुंचने का जश्न मना रही है, वहीं दूसरी ओर 23 मिलियन (करीब 192 करोड़ रुपये) का टॉयलेट अचानक खराब हो गया दरअसल, यानि 'यूरिन टैंक' को खाली करने में आ रही दिक्कतों ने नासा के पसीने छुड़ा दिए हैं।

क्या है पूरा मामला? मिशन कंट्रोल के मुताबिक, ओरियन कैप्सूल में लगा मॉडर्न टॉयलेट तकनीकी रूप से तो ठीक काम कर रहा है, लेकिन असली समस्या स्टोर किए गए वेस्ट को अंतरिक्ष में बाहर निकालने में आ रही है। फ्लाइट डायरेक्टर रिक हेनफ्लिंग ने बताया कि टैंक को खाली करने वाला 'वेंट' उतना प्रभावी नहीं है जितना सोचा गया था। अंतरिक्ष यात्रियों ने टॉयलेट से एक रहस्यमयी जलने जैसी गंध) आने की भी शिकायत की है, हालांकि नासा

का कहना है कि इससे मिशन को कोई खतरा नहीं है। बर्फ नहीं, 'केमिकल लोचा' है वजह! शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा था कि बाहरी नोजल पर बर्फ जम गई होगी। इसे पिघलाने के लिए यान को सूरज की रोशनी की तरफ झुकाया गया और हीटर भी चलाए गए, लेकिन समस्या हल नहीं हुई। अब नई थ्योरी कुछ और ही इशारा कर रही है: रिक हेनफ्लिंग ने बताया, ताजा अनुमान यह है कि कचरे को साफ रखने के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायनों के बीच कोई रिएक्शन हुआ है। इस रिएक्शन से निकले मलबे ने फिल्टर को जाम कर दिया है।

बैकअप प्लान पर काम

जब तक इस समस्या का समाधान नहीं निकलता, चारों अंतरिक्ष यात्री-रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन-टॉयलेट के बजाय अन्य वैकल्पिक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। नासा की अधिकारी लोरी ग्लेज ने कहा है कि असली वजह का पता तभी चलेगा जब शुक्रवार, 10 अप्रैल को यह यान पृथ्वी पर वापस लौट आएगा। सैन डिएगो के तट पर लैंडिंग के बाद ही वैज्ञानिक इस 'स्पेस टॉयलेट' की बारीकी से जांच कर पाएंगे।

ईरान के साथ सीजफायर राजनीतिक मजबूरी, पूर्व एनएसए ने ट्रंप सरकार की नीतियों को बताया खतरनाक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने एक बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ हुआ मौजूदा युद्धविराम केवल राजनीतिक दबाव का नतीजा है। अगर यह समझौता लंबे समय तक नहीं टिका, तो अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष और भी ज्यादा गहरा सकता है। बोल्टन ने नासा वीडियोज को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कदम घरेलू राजनीति की वजह से उठाया है। अमेरिका में पेट्रोल की बढ़ती कीमतें और ट्रंप की गिरती लोकप्रियता इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बोल्टन का मानना है कि ट्रंप को डर था कि ईरान के साथ लंबा युद्ध उनकी छवि को और खराब कर सकता है। उनके अनुसार, ट्रंप अक्सर देश के हितों से ज्यादा अपने फायदे के बारे में सोचते हैं। अगर उनकी यह सोच जारी रही, तो अमेरिका को भविष्य में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बोल्टन ने रणनीतिक खतरे का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान को हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करने देना एक बड़ी गलती होगी। पिछले 50 वर्षों से अमेरिका की यह नीति रही है कि खाड़ी के तेल वाले रास्तों पर किसी एक देश का नियंत्रण न हो। अगर ईरान वहां सबसे ताकतवर खिलाड़ी बनता है, तो यह अमेरिका की बड़ी रणनीतिक हार होगी। इस युद्धविराम को कराने में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र ने भी पर्दे के पीछे से भूमिका निभाई है। बोल्टन ने कहा कि ट्रंप और पाकिस्तान के जनरल असीम मुनीर के बीच अच्छे संबंध हैं और ट्रंप उन्हें खुश करना चाहते थे। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय मामलों में ट्रंप के साथ यही दिक्कत है। उन्हें लगता है कि अगर किसी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, तो वह उस पर भरोसा कर सकते हैं, और वह व्यक्ति सही काम करेगा।

शरीफ की होशियारी की खुली पोल, यूएस ने बताया सीजफायर की जानकारी शेयर करने से पहले ट्रंप ने किया था चेक

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान युद्ध विराम को लेकर अब एक अहम खुलासा सामने आया है, जो बताता है कि पूरी प्रक्रिया के पीछे अमेरिका और पाकिस्तान के बीच गहरी कूटनीतिक बातचीत चल रही थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जो सोशल मीडिया पोस्ट कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डेडलाइन बढ़ाने की अपील की थी, वह पोस्ट पहले ही व्हाइट हाउस की मंजूरी से तैयार किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, शरीफ के पोस्ट करने से पहले ही व्हाइट हाउस उस बयान को देख चुका था और उसे हरी झंडी दे चुका था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को मंगलवार रात 8 बजे तक की सख्त डेडलाइन दी थी और क्षेत्र में तनाव चरम पर था। इसी बीच पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने और एक समझौता कराने की कोशिश की। इसी कड़ी में शरीफ ने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए ट्रंप से दो हफ्ते का समय बढ़ाने की सार्वजनिक अपील की। अपने पोस्ट में शरीफ ने ट्रंप की शैली में कहा कि कूटनीति लगातार, मजबूती से और प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ रही है। उन्होंने ट्रंप और उनके शीर्ष सलाहकारों को टैग करते हुए डेडलाइन बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि, इस पोस्ट के पीछे असली कहानी और भी अहम थी। व्हाइट हाउस, जो एक ओर ईरान पर कड़ा रुख अपनाए हुए था और सख्त बयान दे रहा था, वहीं दूसरी ओर पर्दे के पीछे इस संकट का कूटनीतिक समाधान भी तलाश रहा था।

शरीफ के पोस्ट में शुरुआत में लिखा होने के कारण सोशल मीडिया पर यह अटकलें भी तेज हो गईं कि यह बयान सीधे ट्रंप या उनकी टीम द्वारा तैयार किया गया है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस दावे से इनकार किया और कहा कि ट्रंप ने यह बयान खुद नहीं लिखा। वहीं, पाकिस्तानी दूतावास की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इस पूरी कूटनीतिक कवायद का असर भी तेजी से देखने को मिला। शरीफ के पोस्ट के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध विराम पर सहमति जताने का एलान कर दिया। गौरतलब है कि इस घटनाक्रम से पहले शहबाज शरीफ को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा था और उनके पोस्ट को लेकर सवाल उठाए गए थे। लेकिन अब सामने आई जानकारी से साफ है कि यह कदम एक बड़े अंतरराष्ट्रीय समन्वय का हिस्सा था, जिसमें अमेरिका की सीधी भागीदारी थी।

होर्मुज पर ईरान का फैसला: जहाजों के लिए नए रास्ते तय, समुद्री माइन का अलर्ट जारी; तेल सप्लाई पर असर संभव

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। ईरान ने जहाजों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक समुद्री रास्तों का एलान किया है, जिससे वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि समुद्री सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नौसेना ने सभी मालवाहक जहाजों और नौकाओं को इन नए, निर्दिष्ट मार्गों का पालन करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जहाजों की आवाजाही नौसेना की कड़ी निगरानी में हो। विश्व में 20 फीसदी तेल का आवागमन इसी जलडमरूमध्य से होता है, ऐसे में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। ईरान ने यह कदम एक दो-सप्ताह की अस्थायी संघर्ष विराम के हिस्से के तौर पर उठाया है, जिसके तहत जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोला गया है। ओमान सागर से होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने वाले जहाज अब लारक द्वीप के उत्तरी हिस्से से गुजरेंगे। इसके बाद वे खाड़ी की ओर बढ़ेंगे। यह मार्ग संभावित खतरों से बचाते हुए जहाजों को सुरक्षित प्रवेश प्रदान करेगा। खाड़ी से बाहर निकलने वाले जहाजों के लिए भी एक नया मार्ग तय किया गया है। ये जहाज लारक द्वीप के दक्षिणी हिस्से से होते हुए ओमान सागर की ओर प्रस्थान करेंगे। ईरान का कहना है कि इन नए रास्तों का उद्देश्य जहाजों को सुरक्षित और निर्बाध रूप से गुजरने में मदद करना है। यह कदम जलमार्ग में किसी भी प्रकार के अप्रिय घटना को रोकने और अंतरराष्ट्रीय नौवहन की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारियां, सतत विकास प्रणाली में निभाएंगे बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है। इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली। सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है। 6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है।

एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती। फाउंडेशन

का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है। एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं।

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में जीत किसकी पूर्व राजनयिक बोले- युद्ध का कोई विजेता नहीं

कजाक्सितान, एजेंसी। पूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए अस्थायी युद्धविराम पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि ऐसे किसी भी अस्थायी समझौते की स्थिति में, सभी पक्ष अपनी जीत का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध विराम में भी यही देखने को मिला है, जहां ईरान, अमेरिका और यहां तक कि इस्राइल भी अपनी जीत का दावा कर रहा है, जबकि वास्तव में युद्ध का कोई स्पष्ट विजेता नहीं है। उन्होंने आगे कहा शामिल सभी पक्ष निश्चित रूप से यह कहेंगे कि वे जीते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय, पर्यवेक्षकों, विश्लेषकों और टिप्पणीकारों के लिए यह देखना बाकी है कि वास्तव में स्थिति क्या है। जहां तक युद्धों का सवाल है, उनमें कोई विजेता नहीं होता। इस बीच, नेपाल ने दो-सप्ताह के युद्धविराम समझौते का स्वागत किया है। नेपाल सरकार ने इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में एक रचनात्मक कदम बताया है और बातचीत, कूटनीति तथा मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अवसर प्रदान करने वाला बताया है। नेपाल सरकार ने एक बयान में कहा नेपाल इस विकास को क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखता है, साथ ही विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में अपने निरंतर रुख को दोहराता है। सरकार संघर्ष के मानवीय परिणामों पर भी चिंता व्यक्त करती है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देती है।

समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से ज्यादा समय से जारी हिंसक संघर्ष ने आज एक निर्णायक मोड़ ले लिया है। अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई है, जिसमें दोनों पक्षों ने लड़ाई रोकने और होर्मुज को खुला रखने का वादा किया है। ऐसे में अब बातचीत का अगला दौर इस्लामाबाद में होगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से एक विशेष टीम भेजी जा रही है। इस टीम का नेतृत्व खुद जेडी वेंस करेंगे।हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक बयान देते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत ईरान और उसके आस-पास तब तक मौजूद रहेगी जब तक असल समझौते का पूर्ण पालन नहीं हो जाता। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य

पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा। इस्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। अमेरिका और ईरान के दो हफ्तों के युद्धविराम के बावजूद, इस्राइली सेनाओं ने लेबनान में अब तक के सबसे भयंकर दिन में कम से कम 254 लोगों की हत्या की। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और इस्राइल ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया और कहा कि लेबनान युद्धविराम में शामिल नहीं है। व्हाइट हाउस ने ईरान के 10-बिंदु प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जबकि ट्रंप ने इसे वार्ता के लिए ठीक माना था।

गाजा में इस्राइली ड्रोन हमले में अल जज़ीरा पत्रकार मोहम्मद विशाह की मौत हो गई। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड नौसेना ने समुद्री खानों से बचने के लिए नए पारगमन मार्ग घोषित किए, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य युद्धविराम के तहत खोलने का वादा पूरा किया जा सके। इस्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई । आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

दोनो ही टीमें इस प्राकर हैं।

चेन्नई सुपर किंग्सः ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर),आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

दोपहर 3:30 पर शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

डॉक्टरों ने कह दिया था कि इसके लिए कोई सर्जरी या मेडिकल विकल्प नहीं

बेसबॉल खिलाड़ी ने पियानो से ठीक की अंगूठे की चोट

द न्यूयॉर्क। स्पोर्ट्स मेडिकल साइंस की दुनिया में एक कहावत है- 'जब डॉक्टर जवाब दे दें, तो समझो करियर खत्म।' लेकिन 41 साल के मैक्स शर्जर ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया। बेसबॉल के इतिहास के सबसे घातक पिचर में से एक शर्जर के लिए यह सीजन केवल वापसी का नहीं, बल्कि एक 'चमत्कार' का है। जिस अंगूठे के दर्द ने उन्हें संन्यास की कगार पर खड़ा कर दिया था, उसका इलाज किसी अस्पताल में नहीं, बल्कि पियानो के जरिए मिला। दरअसल, शर्जर दो साल से दाएं हाथ के अंगूठे में सूजन और असहनीय दर्द से जूझ रहे थे। अमेरिका के टॉप सर्जन्स ने हाथ खड़े कर दिए थे। उनके पास इस दर्द का कोई सर्जिकल समाधान नहीं था। हालात इतने खराब हो गए थे कि पिछले सीजन शर्जर ने साथी खिलाड़ी क्रिस बासिट से कह दिया था कि अगर प्रैक्टिस के दौरान दर्द हुआ, तो वे खेल को अलविदा कह देंगे। शर्जर की वापसी की कहानी टोरंटो के एक अपार्टमेंट से शुरू होती है। बच्चों को खेल-खेल में पियानो सिखाते वक्त उन्हें अहसास हुआ कि पियानो की भारी 'कीज' दबाते वक्त उनके अंगूठे में वह खिंचाव हो रहा है, जो कोई फिजियोथेरेपी नहीं दे पा रही थी। शर्जर ने कोई क्लासिकल संगीत नहीं सीखा था। उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर 'डॉ. ड्रे' और 'एमिनेम'

के रैप गानों की धुनें सीखीं। वे हर टूर पर अपना कीबोर्ड साथ ले जाने लगे। रात 11 बजे मैच खत्म होने के बाद वे होटल के कमरों में धीमी आवाज में घंटों पियानो बजाते, ताकि अंगुलियों के पोरों की मांसपेशियां मजबूत हो सकें। पियानो बजाने से उनके हाथ की मांसपेशियों में जो लचीलापन आया, उसने अंगूठे के जोड़ों पर पड़ने वाले दबाव को खत्म कर दिया। इस 'पियानो रिहैब' का असर यह हुआ कि शर्जर ने वर्ल्ड सीरीज के सबसे अहम गेम में बेहतरीन शुरुआत की। 41 की उम्र में जहां खिलाड़ी कमेंट्री बॉक्स में होते हैं, वहां शर्जर को टोरंटो ब्लू जेस ने फिर 25 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। साथी खिलाड़ी बासिट कहते हैं, 'पूरी दुनिया में इतने महंगे इलाज मौजूद थे, लेकिन एक पियानो ने मैक्स का करियर बचा लिया। यह सिर्फ मैक्स जैसा पागलपन की हद तक जुनूनी खिलाड़ी ही सोच सकता था।' पियानो की हार्ड कीज दबाने से सुधरती है पिचिंग ग्रिप बेसबॉल पिचिंग में 'फास्टबॉल' फेंकने के लिए अंगूठे और तर्जनी के बीच जबरदस्त दबाव की जरूरत होती है। पियानो की कीज को दबाने के लिए अंगुलियों की जिस निपुणता की जरूरत होती है, वह सीधे तौर पर पिचिंग ग्रिप को सुधारती है। शर्जर के अनुसार, 'पियानो बजाना अंगुलियों के लिए वेटलिफ्टिंग जैसा है।'

वैभव सूर्यवंशी 26 बॉल पर 78 रन बनाकर आउट

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 16वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 202 रन का टारगेट दिया है। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 13.3 ओवर में 4 विकेट पर 160 रन बना लिए हैं। धुव जुरेल और रवींद्र जडेजा क्रीज पर हैं। कप्तान रियान पराग 3 और शिमरोन हेटमायर जीरो पर आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी 26 बॉल पर 78 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें क्रुणाल पंड्या ने विराट कोहली के हाथों कैच कराया। यशस्वी जायसवाल 13 रन बनाकर आउट हुए।

RCB के कप्तान रजत पाटीदार ने 40 बॉल पर 63 रन बनाए। उनकी पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनसे पहले विराट कोहली ने 16 बॉल पर 32 रन बनाए। जोफा आर्चर, रवि बिश्नोई और बृजेश शर्मा को 2-2 विकेट मिले।

राजस्थान का स्कोर 150 पार हुआ

13वें ओवर में राजस्थान ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। रवींद्र जडेजा ने कुणाल पंड्या की पहली बॉल पर चौका लगाया। फिर ध्रुव जुरेल ने तीसरी बॉल पर दो रन लेकर टीम को 150 पार पहुंचाया।

रियान पराग 3 रन बनाकर आउट

10वें ओवर में राजस्थान ने चौथा विकेट गंवाया। यहां कप्तान रियान पराग 3 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोश हेजलवुड ने क्रुणाल पंड्या के हाथों कैच कराया।

क्रुणाल पंड्या ने सूर्यवंशी-हेटमायर को पवेलियन भेजा

9वां ओवर लेकर आए क्रुणाल पंड्या ने लगातार दो बॉल पर विकेट झटके। उन्होंने पहली बॉल पर वैभव सूर्यवंशी को विकेट कोहली के हाथ कैच कराकर शतकीय साझेदारी तोड़ी। उसके बाद दूसरी बॉल पर शिमरोन हेटमायर को जोश हेजलवुड के हाथों कैच कराकर दवाब बनाया। वैभव सूर्यवंशी 78 रन बनाकर आउट हुए। जबकि हेटमायर का खाता भी नहीं खुला।

रजत पाटीदार ने 35 गेंदों में पूरा किया अर्धशतक

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है। 16 ओवर के बाद स्कोर सात विकेट पर 150 रन है। वेंकटेश अय्यर भी क्रीज पर हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई

ब्राजील। ब्राजील की तेज गेंदबाज एल. कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की।

सोनम येशे का रिकॉर्ड

पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। गुरुवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने क्रिसपिन छेत्री

कोचिंग स्टाफ में भी हुआ बदलाव

नई दिल्ली। क्रिसपिन छेत्री अब भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। क्रिसपिन को आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए अमेलिया वाल्वरडे की जगह पर कोच की जिम्मेदार दी गयी है। भारतीय फुटबॉल मुहासंघ को उम्मीद है कि क्रिसपिन के आने से भारतीय टीम का प्रदर्शन पहले से बेहतर होगा। वाल्वरडे का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था। उनके कोच रहते हुए एएफसी महिला एशियन कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। भारतीय टीम इस टूर्नोमेंट में एक भी मैच नहीं जीत पायी थी।

क्रिसपिन पहले भी टीम के साथ रहे हैं। वह साल 2026 एशियन कप क्वालिफायर में टीम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए फुटबॉल महासंघ ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है, जिससे टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।टीम के कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव आया है। कोचिंग स्टाफ में सुजाता कर को असिस्टेंट कोच बनाया गया है। वहीं फैसल के बीपू गोलकीपिंग कोच की भूमिका निभाएंगे।एएफसी महिला एशियन कप में भारतीय टीम करीब दो दशकों बाद खेल रही थी पर वह ग्रुप स्तर पर ही बाहर हो गयी। इसके बाद कोचिंग में बदलाव किया गया। अभी भारतीय महिला टीम फीफा सीरीज 2026 के लिए केन्या की राजधानी नैरोबी गयी है। टीम इस दौरे में आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए हालात के अनुसार ढ़लने में लगी है।

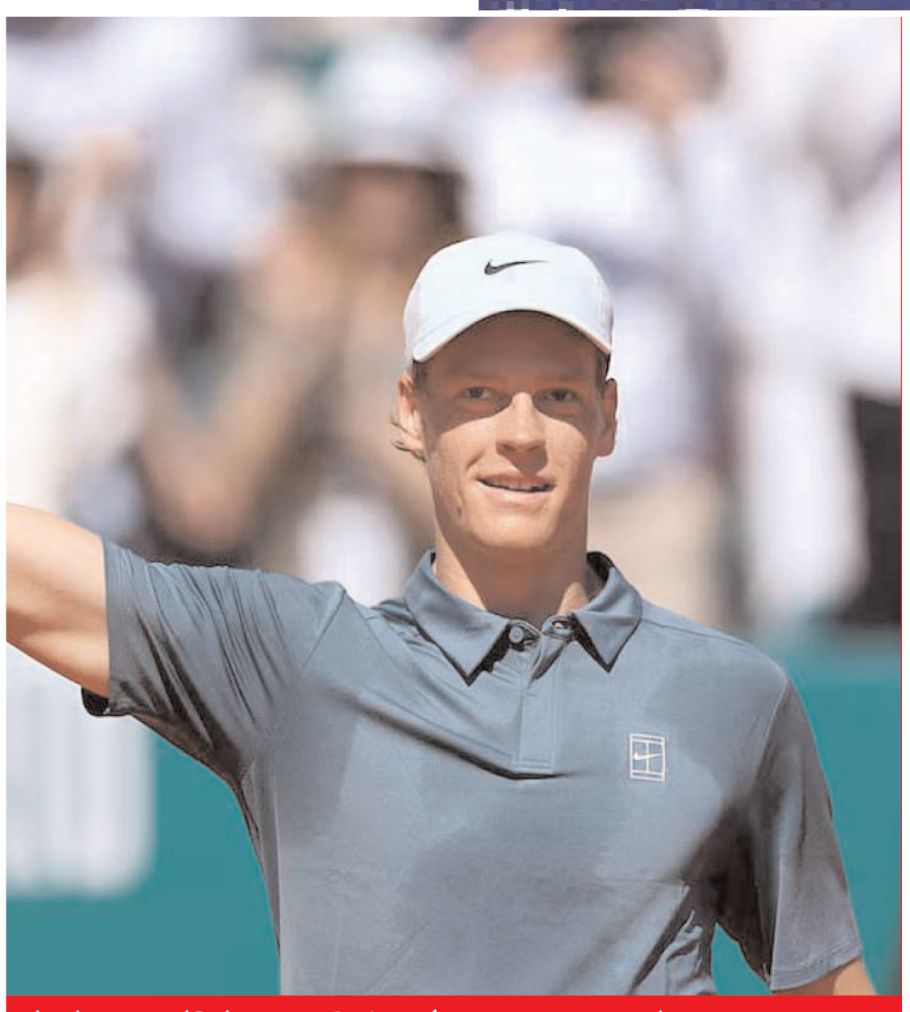

मोंटो कार्लो में इटली के जैनिक सिनर चेक गणराज्य के टॉमस मैकहैक पर जीत के बाद उत्साहित होते हुए।

मुकुल बोले- धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट मेरा पसंदीदा, केकेआर के खिलाफ 7 सिक्स लगाए

पिता ने घर बेचा, बेटे ने सपना पूरा किया

ईडन गार्डन्स। लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने कहा कि वे खुद को एमएस धोनी जैसा फिनिशर बनाना चाहते हैं। जियोहॉटस्टार से बातचीत में उन्होंने बताया कि धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट उनका पसंदीदा है। 2011 वर्ल्ड कप में धोनी की कप्तानी और फिनिशिंग उन्हें प्रेरित करती है।

'पिता खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे'

मुकुल के पिता खुद क्रिकेट खेलना चाहते थे, लेकिन हालात ऐसे नहीं थे कि वे पेशेवर खिलाड़ी बन पाते। इसलिए उन्होंने शादी से पहले तय कर लिया था कि उनका बेटा क्रिकेट खेलेगा।

जन्मदिन के दिन क्रिकेट की शुरुआत की

एकेडमी तक पहुंचना आसान नहीं था। 2015 में मुकुल जन्मदिन पर अपने पिता के साथ चूरू, झुंझुनूं और सीकर में एकेडमी तलाशने निकले थे। इसी दौरान उन्हें सीकर में नई स्कूल क्रिकेट एकेडमी मिली और वहीं से उनका सफर शुरू हुआ। इससे पहले टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में मुकुल के पिता ने बताया था कि बेटे के लिए उन्होंने घर बेच दिया और कर्ज लिया।

अंडर-23 से चमके, सबसे ज्यादा रन बनाए

मुकुल के परिवार में कोई क्रिकेट बैकग्राउंड नहीं था, इसलिए उन्हें शुरुआत में खेल की ज्यादा जानकारी नहीं थी। लेकिन मेहनत और पिता के समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ाया।

अंडर-23 लिस्ट-ए ट्रॉफी 2025-26 में मुकुल चौधरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 617 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल थे।

इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ रुपए में खरीदा। यह उनकी बेस प्राइस से 13 गुना ज्यादा था।

धोनी को क्रेडिट दिया

मुकुल ने अपने प्रदर्शन को

पिता और अपने आदर्श एमएस धोनी को समर्पित किया। गुरुवार को लखनऊ ने आईपीएल - 2026 में मुकुल की फिफ्टी की बदौलत लगातार दूसरी जीत हासिल की। टीम ने कोलकाता को 3 विकेट से हराया।

एसबीएस को आखिरी 18 बॉल पर 43 रन चाहिए थे और 7 विकेट गिर चुके थे। ऐसे में मुकुल चौधरी ने 27 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाकर टीम को हारा हुआ मैच जिता दिया।

राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तैयारी छोड़ी

मुकुल ने बताया कि बचपन में परिवार की हालत कमजोर थी और उन्हें क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाना आसान नहीं था। उस समय उनके पिता कॉलेज में पढ़ाते थे और राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में मुकुल के पिता को फैसला लेना पड़ा- RAS की तैयारी जारी रखें या बेटे को क्रिकेट में आगे बढ़ाएं। उन्होंने तैयारी छोड़ दी, प्रॉपर्टी का काम शुरू किया और पैसे जुटाकर मुकुल को 12 साल की उम्र में सीकर की SBS क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाया।

दुर्ग संभाग में एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमीनार का सफल आयोजन, 92 न्यायिक अधिकारियों ने की सहभागिता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा जिला न्यायालय, दुर्ग में दुर्ग संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमीनार का आयोजन किया गया। इस सेमीनार में दुर्ग संभाग के पाँच सिविल जिलों से कुल 92 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति रजनी दुबे तथा न्यायमूर्ति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य न्यायाधिपति ने नवीन अधिनियमित आपराधिक कानूनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनमें तकनीकी प्रगति का समावेश कर अधिक प्रभावी एवं पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को इन अधिनियमों की स्पष्ट एवं व्यावहारिक समझ विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 से संबंधित मामलों में शीघ्र निराकरण हेतु नवाचारी प्रकरण प्रबंधन तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बढ़ते महत्व पर चर्चा करते हुए भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की ग्राह्यता और ई-साक्ष्य की अवधारणा पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा स्वागत भाषण दिया गया, जिसमें निरंतर न्यायिक शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान के महत्व पर बल दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक द्वारा सेमीनार के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा बदलते कानूनी परिदृश्य में क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। सेमीनार के दौरान ÷मध्यस्थता 2.0 ढ्ढढ्ढस्त्रक्र- दुर्ग के लिए मध्यस्थता रणनीति मॉडल÷ नामक प्रकाशन का विमोचन भी किया गया, जिसका अनावरण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्यस्थता को लेकर न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। सेमीनार में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतिकरण भी दिए गए, जिनमें सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7 नियम 10 एवं 11, न्यायालय की अधिकारिता, वादपत्र निरस्तीकरण की शक्ति, निष्पादन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की रणनीतियाँ, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के प्रकरणों के निपटारे हेतु उपाय, धारा 351 बीएनएसएस के अंतर्गत अभियुक्त के परीक्षण, तथा ई-साक्ष्य एवं धारा 63 के प्रावधान शामिल रहे। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ एफ्टीएससी (पॉक्सो), दुर्ग द्वारा भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई, जबकि व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, धमधा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण तथा दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा एवं राजनांदगांव जिलों के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2026 : स्व-गणना 16 से 30 अप्रैल एवं मकानसूचीकरण 1 से 30 मई तक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य में जनगणना 2026 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा, जबकि स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल 2026 की अवधि में संपादित होगी। इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल संचालन के लिए जनसामान्य की जागरूकता एवं सक्रिय सहयोग को अत्यंत आवश्यक माना गया है। इसी क्रम में प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनगणना के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने हेतु उपलब्ध निःशुल्क प्रचार माध्यमों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। प्रचार-प्रसार के लिए निम्न प्रमुख माध्यमों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं– नगर निकायों की कचरा संग्रहण गाड़ियों में लगे ऑडियो सिस्टम के माध्यम से जनगणना संबंधी संदेशों एवं जिंगल का प्रसारण। शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों के एलईडी डिस्प्ले तथा नोटिस बोर्ड पर जनगणना से संबंधित वीडियो एवं स्लोगन का प्रदर्शन। प्रमुख ट्रैफिक सिग्नल एवं चौराहों पर उपलब्ध सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से जागरूकता संदेशों का प्रसारण। स्थानीय केबल नेटवर्क एवं जिला स्तरीय आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग। स्कूल, बस स्टॉप, ग्राम पंचायत एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर प्रिंट ऐड एवं होर्डिंग का प्रदर्शन। प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि 16 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना के प्रचार-प्रसार तथा 1 से 30 मई 2026 तक मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित प्रचार गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। निर्धारित समयावधि को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करना आवश्यक बताया गया है।

जनगणना से संबंधित स्लोगन, वीडियो, जिंगल/ऑडियो एवं अन्य प्रचार सामग्री एक गूगल ड्राइव लिंक पर उपलब्ध कराई गई है, जिसका उपयोग कर अधिकारी प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि विकास योजनाओं के निर्माण में सटीक आंकड़ों का उपयोग किया जा सके।

मानसून पूर्व मेंटेनेंसः चांपा में अलग-अलग तिथियों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) द्वारा मानसून पूर्व आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किए जाने के कारण चांपा जोन अंतर्गत 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों की विद्युत आपूर्ति निर्धारित तिथियों में अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। यह शटडाउन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रस्तावित है, जिसे आवश्यकता अनुसार घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। सहायक यंत्री (जोन) कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार, मानसून के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है। इस दौरान शहर एवं आसपास के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा हो सकती है।

इन तिथियों में रहेगी बिजली बाधित - 12 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 के बीच विभिन्न दिनों में 33 केवी चांपा 01, 02, पीआईएल तथा 11 केवी राजन, न्यू बस स्टैंड, कोटाडबरी, न्यू बिसरगनी, तहसील फीडर, आरकेएम फीडर, घटोली फीडर, घोरानाला, ओम सिटी-कोरबा रोड, राजापारा (ओल्ड बिसरगनी) सहित अन्य फीडरों से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्र -शटडाउन के दौरान चांपा शहर के मुख्य मार्ग, बाजार क्षेत्र, कॉलोनियां, औद्योगिक क्षेत्र, अस्पतालों के आसपास के इलाके, ओम सिटी, कोरबा रोड, घटोली चौक, बिसरगनी, राजापारा सहित कई मोहल्लों में बिजली नहीं रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह कार्य जनहित में किया जा रहा है, ताकि बारिश के मौसम में तकनीकी दिक्कतों से बचा जा सके। उपभोक्ता असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए विभाग ने आवश्यक तैयारी पहले से कर लेने का आग्रह किया है।

महतारी वंदन ई-केवायसी प्रशिक्षण सह पोषण पखवाड़ा हेतु जागरुकता सत्र का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महतारी वदंन योजना अंतर्गत हितग्राहीयों के ई-केवायसी कराने हेतु च्वाइस सेंटर के वीएलई एवं परियोजना अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महतारी वंदन योजनांतर्गत हितग्राहियों के ई-केवायसी कराने हेतु आ रही समस्याओं का निराकरण मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया। साथ ही महतारी योजना अंतर्गत हितग्राहियों के सरलतापुर्वक ई-केवायसी कराने हेतु कमबद्ध प्रकिया को विस्तारपूर्वक समझाया गया एवं वी.एल.ई. तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का आपस में समन्वय बैठक आयोजित कर सुगमतापूर्वक महतारी वंदन हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराने हेतु प्रेरित किया गया। ई-केवाईसी का कार्य जून के अंतिम सप्ताह तक पूर्ण किये जाने की जानकारी वीएलई को प्रदान की गई । कार्यक्रम में जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित व्यापक प्रचार एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु पोषण अभियान अंतर्गत जनआंदोलन के रूप में प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी पोषण पखवाड़ा का 09 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक आयोजन किया जा रहा है।

वैज्ञानिक प्रमाणों के अनुसार मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से ज्यादा विकास छह साल की उम्र तक हो जाता है, और सबसे तेज विकास जीवन के पहले 1000 दिनों में होता है। जीवन के प्रारंभिक वर्ष में देखभाल और पोषण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुये 8वें पोषण पखवाड़ा में जीवन के प्रारंभिक छह वर्षो में अधिकतम मस्तिष्क विकास÷ पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा ÷पोषण पखवाड़ा÷ के जागरूकता सत्र के दौरान विस्तृत जानकारी प्रदाय की गयी।

13 अप्रैल 2026 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा द्वारा कलेक्टोरेट परिसर के कक्ष क्रमांक 64 में 13 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

इस कैम्प में नियोजक संस्था ग्लोबल एचआर सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट द्वारा बैंकिंग क्षेत्र के विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें सहायक प्रबंधक प्रशिक्षु के 50 पद तथा उप सलाहकार के 50 पद शामिल हैं।

दोनों पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को वार्षिक वेतनमान 4,50,000 से 6,00,000 रुपये तक प्रदान किया जाएगा तथा आयु सीमा 21 से 30 वर्ष निर्धारित है।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा नियोजक (निजी संस्था) एवं आवेदकों के बीच एक मंच उपलब्ध कराया जाता है। यह नियुक्ति पूर्णतः निजी क्षेत्र की संस्थाओं में कार्य हेतु होगी। अतः पद, संस्था, कार्य, वेतन एवं अन्य विस्तृत जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक अथवा उनके प्रतिनिधि से प्राप्त की जा सकती है।

इच्छुक अभ्यर्थी अधिसूचित रिक्त पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु अपने साथ रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजे गए पत्रकार आशीष कठले, छत्तीसगढ़ के 9-10 पत्रकारों को मिला वैश्विक पहचान का गौरव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण तब आया जब दैनिक मूक पत्रिका के पत्रकार आशीष कठले को वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, निष्पक्ष रिपोर्टिंग तथा समाज के प्रति उनके समर्पण और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इस गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ के कुल 9 से 10 पत्रकारों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया, जिससे पूरे प्रदेश का मान बढ़ा है। सम्मान प्राप्त करने वाले पत्रकारों में विप्ल दत्ता, शिव शंकर सोनपिपरे, कुलवंत सिंह जबल, रमेश अग्रवाल, सत्य मौर्य, शेष चरण गुप्ता, महादेव परिहारी, संजय जेठानी तथा रात्रे जी शामिल रहे। कार्यक्रम में भारतङ्कनेपाल मैत्री संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है और सत्य को निष्पक्ष रूप से सामने लाना उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस सम्मान समारोह ने भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक एवं पत्रकारिता सहयोग को नई दिशा देने का कार्य किया है।

इस उपलब्धि को लेकर पत्रकार जगत सहित पूरे छत्तीसगढ़ में हर्ष का माहौल है। यह सम्मान न केवल सम्मानित पत्रकारों के लिए बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। इससे नई पीढ़ी के पत्रकारों को प्रेरणा मिलेगी और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा मिलेगा।

वाणिक परिवार के देवांग मेहता द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगीत समारोह मुंबई में सम्पन्न

जित मुंबईः/मूक पत्रिका

वाणिक परिवार के देवांग मेहता द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगीत समारोह एस. पी हॉल, मालाड मुंबई में आयोजित किए गए। इन समारोहों का उद्देश्य गुजरात के जूनागढ़ में वृद्धाश्रम में मदद करना था।इन समारोहों में देश के ख्यातनाम और सेलेब्रिटी सिंगर चेतन राणा, सर्वेश मिश्रा, प्रिया चौहान और पूनम रामटेके ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। अन्य गायकों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया।पहले समारोह के मुख्य अतिथि श्री दिनेश भाई धाबलिया थे, जबकि दूसरे समारोह के मुख्य अतिथि श्री दिलीप देसाई थे। दिलीप भाई देसाई ने समारोह के लिए स्पॉन्सरशिप और दान दिया था और अधिकांश टिकेटों को बेचने में सहायता की थी।

स्पॉन्सरर के रूप में जयेश भाई मेहता (Jayco safety equipment Ltd), आरती रैचुरा (Asha Healthcare Guide center) और युक्ति शाह (केंगन वॉटर डिवाइस) उपस्थित थे।दोनों शो में दर्शकों ने रसप्रद गीतों का लाभ उठाया। श्री देवांग मेहता ने अपनी पत्नी मिनल मेहता, पुत्रियों रुचि और पलक, और जामाताओं की प्रेरणा से इन समारोहों का आयोजन किया गया।इस समारोहों में सभी का सहयोग मिला और एक समिति बनाई गई थी जिसमें संतान डिशोजा, प्रसाद पटनाम, विरल भगत, पूनम रामटेके, देवांग मेहता और दिलीप देसाई, विशीता संघवी सदस्य थे। अग्रणी सामाजिक कार्यकर्ता और चीफ गेस्ट श्री देसाई ने कहा, ÷श्री देवांग भाई मेहता को इन म्यूजिकल समारोहों के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं। उनकी टीम के सदस्यों ने बहुत मेहनत करके इन समारोहों को सफल बनाया।÷

बैजी स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाया गया पढ़ाई तिहार - अंगना मं शिक्षा 2026

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन के निर्देश पर बीते शनिवार को प्रातः 9:00 बजे शासकीय प्राथमिक शाला बैजी, संकुल केंद्र लोलेसरा, विकासखंड एवं जिला बेमेतरा में ÷पढ़ाई तिहार ङ्क अंगना मं शिक्षा 2026÷ कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में गांव की माताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति एवं व्यवहार की जानकारी प्राप्त की। विद्यालय परिसर में बच्चों और अभिभावकों के लिए 9 अलग-अलग काउंटर बनाए गए, जिनमें माताओं ने अपने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई। इन काउंटरों में रजिस्ट्रेशन, शारीरिक विकास, क्रियात्मक विकास, बौद्धिक विकास, वर्गीकरण, भाषा विकास, गणित पूर्व आकार एवं गिनती, गणित पूर्व अंक जोड़ तथा बच्चों का कोना जैसी गतिविधियां शामिल थीं। शिक्षकों ने माताओं को बताया कि घरेलू वातावरण में बच्चों की पढ़ाई को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। विशेष रूप से रसोईघर में रखी सामग्री के नाम, पहचान और उपयोग के माध्यम से बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। संस्था प्रमुख ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने बताया कि पढ़ाई तिहार का मुख्य उद्देश्य बच्चों को व्यवहारिक रूप से सीखने के लिए प्रेरित करना तथा घर और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे अपनी मां के सबसे करीब रहते हैं, इसलिए माताएं घर के कार्यों के दौरान भी बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस आयोजन से न केवल बच्चों के व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, बल्कि समुदाय और विद्यालय के बीच मजबूत संबंध भी स्थापित होते हैं, जिससे शिक्षण प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनती है। इस अवसर पर शिक्षक शत्रुघ्न साहू, श्रीमती उनीसा सिंहा, श्रीमती भारती वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

इनमें धान कुंवर, नंदनी साहू, तराना चेलक, गायत्री राजेश्वरी, पिंकी कुर्रे, मोतीम वर्मा, खिलेश्वरी यादव, प्रतिमा बघेल (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता), डागेश्वरी वर्मा, योगेश्वरी वर्मा, संतोषी वर्मा, राधिका, राधा वर्मा, मंजू यादव आदि शामिल थीं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के लिए चाय, नाश्ता एवं मिठाई वितरण किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।